भाद्रपद कृष्ण पक्ष-अमावस्या, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 71 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
02 सितम्बर 2024
सोमवार

आज का मौसम
30 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

राजधानी को फिलहाल राहत तवा डैम के साथ गेट खुले

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश में बारिश का सिस्टम फिर एक्टिव है। कल भोपाल, इंदौर समेत 12 जिलों में बारिश हुई। मूसलधार बारिश से इंदौर के कई निचले इलाकों में घरों और दुकानों में पानी घुस गया। भोपाल में आज दोपहर बाद फिर रुक-रुककर बारिश होगी। यहां केरवा डैम के तीन गेट खोले गए। वहीं उज्जैन के गंभीर डैम के 2 गेट खोलकर पानी छोड़ा गया। नर्मदापुरम में तवा डैम के 7 गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। छिंदवाड़ा में पौन इंच और इंदौर, नर्मदापुरम-खजुराहो में आधा इंच से ज्यादा पानी गिर गया। पचमढ़ी, रीवा, शिवपुरी समेत कई जिलों में बारिश का दौर बना रहा। विदिशा में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यक्रम के लिए सांस्कृतिक भवन में लगाया गया पंडाल गिर गया।

आंध्र में 25 साल बाद ऐसी बरसात

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के कई जिलों में बाढ़ से 10 लोगों की मौत हो चुकी है। दोनों राज्यों में 99 ट्रेनें कैंसिल हुई हैं। 54 ट्रेनों को डायवर्ट किया गया है। यहां कई नदियां उफान पर हैं। एनडीआरएफ की 26 टीमें तैनात की गई हैं।मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा- 1998 के बाद ऐसी बाढ़ आई है। 17 हजार लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। सबसे ज्यादा हालात विजयवाड़ा में खराब हैं।

चार इमली में देर रात हो रहे हंगामे विधायक की कार पर हुआ पथराव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के तुलसी नगर स्थित तुलसी टावर के पास बीती रात असामाजिक तत्वों ने एक कांग्रेस विधायक की कार पर पथराव कर दिया। कार का कांच फूटने से विधायक के चेहरे पर चोट आई है। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस भी पहुंच गई थी। सेमरिया विधानसभा के कांग्रेस विधायक अभय कुमार मिश्रा रात में छिंदवाड़ा से भोपाल लौट रहे थे। उनके साथ इनोवा कार में ड्रायवर और गनमैन भी था। विधायक पीछे वाली सीट पर बायीं तरफ बैठे थे और नींद में थे। रात करीब बारह बजे चार इमली चौराहा पर कार में ब्लास्ट जैसी आवाज आई। ड्रायवर जब तक कार रोकता, उसके पहले एक बार और आवाज आई और कार का कांच फूटकर विधायक के चेहरे पर लगा, जिससे खून निकलने लगा। उन्होंने पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र को कॉल किया। असामाजिक तत्वों ने उनकी कार पर पथराव किया था, जिससे कांच फूट गया था। पुलिस ने आसपास के इलाके में सर्चिंग की, लेकिन पथराव करने वालों का कुछ पता नहीं चल सका।

ईडी ने विधायक का दरवाजा खटखटाया जवाब मिला-आप गारंटी लेते हो...

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान को सुबह से लगभग चार घंटे की छापेमारी और पूछताछ के बाद ईडी की टीम ने गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले सुबह प्रवर्तन निदेशालय यानि ईडी ने आम आदमी पार्टी विधायक अमानतुल्लाह खान के घर छापा मारा। दरवाजा खोलने से पहले विधायक ने भडकते हुए कहा कि अगर मेरी गिरफ्तारी के बाद मेरी सास की मौत हुई आप जिम्मेदारी लीजिए। इसके बाद बमुश्किल ईडी दाखिल हो सकी। वह दिल्ली वक्फ बोर्ड मनी लॉन्ड्रिंग केस में सुबह 8.15 बजे से अमानतुल्लाह के घर जांच और पूछताछ कर रही है। ओखला विधायक अमानतुल्लाह पर आरोप है कि उन्होंने दिल्ली वक्फ बोर्ड का अध्यक्ष रहते हुए 32 लोगों की अवैध भर्ती कराई और फंड का गलत इस्तेमाल किया। वक्फ की संपत्तियों को किराए पर दिया।

पूछताछ के बाद गिरफ्तार

बुलडोजर कार्रवाई पर गंभीर सवाल, सरकार को जवाब देने के निर्देश

दोषी है तो भी घर नहीं गिराया जा सकता बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली , एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट में बुलडोजर न्याय के मामलों की सुनवाई आज शुरू हुई। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए है। कोर्ट ने कहा कि सिर्फ आरोपी होने के आधार पर किसी के घर को गिराना उचित नहीं है। अदालत ने शासन और प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर कोई व्यक्ति दोषी भी है, तो भी उसके घर को गिराया नहीं जा सकता। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस बात को स्वीकार किया और कहा कि अपराध में दोषी साबित होने पर भी घर नहीं गिराया जा सकता। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिनके खिलाफ कार्रवाई हुई है, वे अवैध कब्जे या निर्माण के कारण निशाने पर हैं, न कि अपराध के आरोप की वजह से। कोर्ट में जस्टिस गवई और जस्टिस केवी

विश्वनाथन की बेंच के समक्ष सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलीलें पेश कीं. मेहता ने कहा कि जो कार्रवाई की गई है, वह म्युनिसिपल कानून के अनुसार ही की गई है. जस्टिस विश्वनाथन ने सरकार से विस्तृत जवाब मांगा है. अदालत ने नोटिस, कार्रवाई और अन्य आरोपों पर सरकार को उत्तर देने के निर्देश दिए हैं।

जमीयत उलेमा ए हिन्द ने याचिका दाखिल कर सरकारों द्वारा आरोपियों के घरों पर मनमाने ढंग से बुलडोजर चलाने पर रोक लगाने की मांग की है. याचिका में यूपी, मध्यप्रदेश और राजस्थान में हाल में हुई बुलडोजर कार्रवाइयों का उल्लेख करते हुए अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाए जाने का आरोप लगाया गया है. याचिका में 'बुलडोजर जस्टिस' की प्रवृत्ति पर रोक लगाने शीघ्र सुनवाई की अपील की गई थी। एमेनेस्टी इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2022 से जून 2023 के बीच दिल्ली, असम, गुजरात, मध्यप्रदेश और यूपी में 128 संपत्तियों को बुलडोजर से ढहा दिया गया।

हिंडनबर्ग की दूसरी रिपोर्ट पर सन्नाटे के बाद नया विवाद...

फिर नया बवाल: सेबी चीफ ने तीन जगह से लिया ₹16 करोड़ वेतन!

नई दिल्ली , एजेंसी।

हिंडनबर्ग की दूसरी रिपोर्ट के बाद मचा बवाल कुछ दिन थमे रहने के बाद आज फिर सिर उठाता दिख रहा है। कांग्रेस मीडिया चेयरमेन पवन खेड़ा ने सुबह दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाकर बड़े दावे किए। उन्होंने कहा, 'इस देश में शतरंज का खेल चल रहा है लेकिन खिलाड़ी कौन है, इस पर हम निर्णायक तौर पर पहुंचें नही हैं, अलग-अलग मोहरे हैं उनमें से एक मोहरा माधबी पुरी बुच हैं। खेड़ा ने कहा कि माधबी पुरी बुच पहले सेबी की मेंबर थीं, उसके बाद 2 मार्च 22 को चेयरपर्सन बनीं। सेबी शेयर मार्केट की रेगुलेटर है और इनकी नियुक्ति प्रधानमंत्री और गृहमंत्री करते हैं। 2017 से 2024 के बीच में वे करोड़ों की रेगुलर इनकम आईसीआईसीआई बैंक से ले रही थीं और ईशॉप पर जो टीडीएस था, वो भी यही बैंक दे रहा था, यह सीधे तौर पर नियम का उल्लंघन है। इसके बाद 2019-20 के दौरान बैंक से मिलने वाली सैलरी में जमकर बढ़ोतरी हो गई। खेड़ा ने दावा किया कि सेबी चीफ एक साथ तीन जगहों से सैलरी ले रही थीं, वह आईसीआईसीआई बैंक, आईसीआईसीआई बैंक प्रोडेंशियल और सेबी से एक साथ सैलरी ले रही थीं। इसलिए उनमें शर्म होगी तो पद से इस्तीफा देना चाहिए। 2017 और 2024 के बीच बैंक से 16.8 करोड़ रुपये की नियमित आय प्राप्त हुई, वे पूर्णकालिक सेबी सदस्य हैं, तो फिर आईसीआईसीआई बैंक से वेतन क्यों प्राप्त किया। खेड़ा ने कहा कि सेबी शेयर बाजार को विनियमित करने में अहम भूमिका निभाता है, लेकिन सेबी अध्यक्ष की नियुक्ति समिति करती है, जिसमें प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल हैं।

दरअसल, अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की ओर से 10 अगस्त को पेश की दूसरी रिपोर्ट के बाद देश में कोहराम मचा था। लेकिन शेयर बाजार अप्रभावित रहा और जमकर कारोबार होता रहा। हिंडनबर्ग ने दूसरी रिपोर्ट में सीधे बाजार विनियामक संस्था भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधवी बुच और उनके पति धवल बुच पर ही आरोप लगाया था। इससे पहले, अमेरिकी शॉर्ट सेलर ने देश के दिग्गज उद्योगपति गौतम अदाणी के अदाणी ग्रुप पर शेयरों में हेरोफेरी और धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। उस समय देश में शेयर बाजार से लेकर संसद तक कोहराम मचा था. मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया। तब सुप्रीम कोर्ट ने सेबी को जांच की जिम्मेदारी दी।

कांग्रेस के पीएम से सवाल

जब सेबी हेड चुनते हैं, तो इसका क्राइटेरिया क्या होता है? क्या नियुक्ति के वक्त ये तथ्य सामने आए थे ? क्या पीएम को जानकारी थी कि सेबी की चेयरपर्सन एक ऑफिस ऑफ प्रॉफिट पर बैठी हैं और सेबी मेंबर के साथ आईसीआईसीआई से तनख्वाह ले रही हैं? सेबी की चेयरपर्सन के बारे में इतने तथ्य हैं फिर भी उनको कौन बचा रहा है?

मेट्रो एंकर

लिपस्टिक बिक रही है, यानि जबर्दस्त मंदी आने वाली है..., एक निवेश से सहमा बाजार

नई दिल्ली , एजेंसी।

यूं तो लिपिस्टक का बाजार के उतारचढाव से सीधा नाता नहीं नजर आता लेकिन कई अध्ययन में यह पाया गया है कि यदि मंदी का दौर है तो महिलायें लिपस्टिक समेत सौंदर्य उत्पाद पर खर्च करती हैं क्योंकि यह आत्मविश्वास को बनाए रखने का तरीका है। अब चूंकि अमेरिका के बाजार में मंदी की आहट है। राष्ट्रपति चुनव के चलते राजनीतिक अस्थिरता से भी बाजार डरा हुआ है। लिहाजा बाजार की हालांत अच्छी नहीं है। अमेरिका के सोशल मीडिया पर लिपस्टिक चर्चा का विषय बन चुकी है। इसकी वजह बर्कशायर हैथवे के मालिक वॉरेन बफे हैं, जो दुनिया के सबसे अमीर शख्सों में शुमार होते हैं। उनके बारे में कहा जाता है कि उनका निवेश अमेरिकी बाजार का लिटमस टेस्ट माना जाता है। अगर वह किसी कंपनी में पैसा लगाते हैं या किसी कंपनी से पैसा निकालते हैं, तो इससे बाजार के रुझान का अंदाजा लगता है। अब बफे ने एक कॉस्मेटिक्स कंपनी में निवेश किया है। दिलचस्प बात यह है कि मंदी के दौर में लिपस्टिक की बिक्री बढ़ जाती है। यानि बफे ने मंदी का पूर्वानुमान लगा लिया है। इसी से मुनाफा कमाने के लिए उन्होंने कॉस्मेटिक्स कंपनी में निवेश किया है। इस टर्म का इस्तेमाल एसटी लाउडर के चेयरमैन लियोनार्ड लॉडर किया था। लियोनार्ड लॉडर अमेरिका के बड़े इन्वेस्टर हैं। 2000 की मंदी में देखा कि महिलाओं की लिपस्टिक की सेल तेजी से बढ़ गई। अमेरिका में 1929 से 1933 के दौरान आए ग्रेट डिप्रेशन के वक्त भी कॉस्मेटिक्स का प्रोडक्शन बढ़ा था। कुछ ऐसा ही 2008 की ग्लोबल मंदी के बाद भी देखने को मिला था।

अच्छे दौर में कपडों की खरीद, बुरे में लिपस्टिक

इसके पीछे वजह पर काफी स्टडी की गई। ऐसा माना जाता है अच्छे आर्थिक हालात में महिलाएं ज्यादा कपड़े खरीदती हैं। वहीं, बुरे दौर में महिलाओं लिपस्टिक खरीदना ज्यादा पसंद करती हैं।लिपस्टिक इफेक्ट से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि मुश्किल वक्त में महिलाएं खुद को बेहतर महसूस कराने के लिए सस्ते लेकिन आकर्षक सौंदर्य उत्पादों की ओर रुख करती हैं। यह एक तरह से उनके कॉन्फिडेंस को बनाए रखने का आसान और कम खर्चीला तरीका है। स्टडी में ये भी बात सामने आई है की मंदी के दौर में कॉस्मेटिक कंपनियों को उतना नुकसान नहीं उठाना पड़ा।

मंदी की आशंकाएं क्यों तेज : दरअसल, अमेरिका में कई प्रमुख इकोनॉमिक इंडिकेटर्स में कमजोरी के संकेत नजर आ रहे हैं। बेरोजगारी के दावे जनवरी के निचले स्तर से काफी बढ़ गए हैं और जुलाई में बेरोजगारी दर बढ़कर 3 साल के उच्चतम स्तर 4.3 फीसदी पर पहुंच गई है. इसके अलावा मैन्युफैक्चरिंग PMI 9 महीने के निचले स्तर पर लुढ़क गया है।

अब डीटीसी की बस में सवार हुए राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन की बस में सफर का वीडियो शेयर किया है। राहुल ने बस कंडक्टर, ड्राइवर और अन्य स्टाफ से बातचीत भी की। उन्होंने बस स्टाफ से उनकी सैलरी पूछी और समस्याओं के बारे में जाना। इसमें दिल्ली सरकार को घेरा और बस स्टाफ की परेशानियां गिनाई हैं। राहुल का कहना है कि ड्राइवर्स और कंडक्टर्स अनिश्चितताओं के अंधेरों में जीने पर विवश हैं. यात्रियों की सुरक्षा में निरंतर तैनात होमगार्ड्स 6 महीनों से वेतनहीन हैं।

शेयर बाजार ऊंचाइयों पर; सेंसेक्स 360 अंक चढ़ा

नई दिल्ली । पिछले हफ्ते की रिकॉर्ड छलांग के बाद शेयर बाजार में इस हफ्ते की शुरुआत भी हरे निशान पर हुई है। शुरुआती कारोबार में जहां सेंसेक्स 360 अंकों तक उछल गया; वहीं दूसरी ओर, निफ्टी पहली बार 25300 के पार पहुंच गया। बाजार में यह बढ़त आईटी और वित्तीय सेवा क्षेत्र के शेयरों में खरीदारी से आई। सोमवार को शेयर बाजार में बढ़त का कारण शुक्रवार को जारी जीडीपी का मजबूत आंकड़ा भी रहा।

बारिश से बदहाल सड़कें

भोपाल में लगातार हो रही बारिश के चलते करोद स्थित न्यू चौकसी नगर कॉलोनी के पास सड़कों की हालत खराब हो गई जिसके चलते लोगों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

फ्लाइओवर शुरुआत की समयसीमा ओवर, अभी कई अड़चनें बाकीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में हबीबगंज क्षेत्र के गणेश मंदिर से गायत्री मंदिर के बीच 148 करोड़ की लागत से बन रहे जीजी फ्लाईओवर सामान्य ट्रैफिक के लिए खुलने में अभी काफी वक्त लग सकता है। क्योंकि पीडब्ल्यूडी को फ्लाईओवर के बगल से गुजरने वाली सर्विस रोड का काम पूरा करना है। एमपी नगर से वीर सावरकर सेतु की ओर जाने वाला कुछ ट्रैफिक इस सर्विस रोड से भी गुजरेगा। इस रोड का कुछ हिस्सा बना हुआ है, लेकिन इस पर अतिक्रमण हो गया है। जब पीडब्ल्यूडी ने इसके चौड़ीकरण और बचे हिस्से को बनाने की प्लानिंग की तो अतिक्रमण की समस्या सामने दिखी। जीजी फ्लाईओवर के नीचे और मेट्रो ट्रैक के नीचे भी गुमठियां लग गई हैं। मानसरोवर के सामने वाले हिस्से में सर्विस रोड पर कबाड़ की दुकान लगी है। यहां तो इतनी भी जगह नहीं बची है कि कोई कार आसानी से निकल जाए। यही हाल स्टेशन परिसर में बंसल वन के सामने सर्विस रोड के किनारे लगी गुमठियों के कारण भी बना है। पीडब्ल्यूडी ये अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम से मदद मांगी है।

उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले जीजी फ्लाईओवर की लोड टेस्टिंग का काम पीडब्ल्यूडी कर चुका है। हालांकि, ट्रायल रन की प्लानिंग अभी अटकी हुई है। इससे पहले ट्रायल रन की तारीख 6 बार बदल चुकी है। विभागीय मंत्री राकेश सिंह ने भी इस सड़क का निरीक्षण किया था और जरूरी निर्देश दिये थे लेकिन दो महीने बाद भी इस फ्लाइओवर की शुरूआत नहीं हो रही है। इससे ट्रेफिक बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

गणेश मंदिर के सामने फ्लाईओवर से उतरने वाले ट्रैफिक में आरकेएमपी की ओर से आने वाला ट्रैफिक भी समाहित हो जाएगा। इसलिए आरकेएमपी से आने वाली सर्विस रोड को मेट्रो के नीचे से गुजारते हुए वीर सावरकर सेतु से मिलाना होगा। आरकेएमपी से आने वाली सर्विस रोड का ट्रैफिक जहां दाहिने मुड़कर सावरकर सेतु की ओर जाता है, उस पॉइंट को बंद करने की प्लानिंग है। हालाकि फ्लाईओवर शुरू हो जाने से अभी मौजूद गणेश मंदिर से बोर्ड आफिस चौराहे जाने वाली सड़क पर यातायात का दबाव काफी कम हो सकेगा।

लेटलतीफी में आगे स्कूल शिक्षा विभाग

सीएम राइज स्कूलों के अचयनित शिक्षक अब तक नहीं हटाए, बनती है वाद-विवाद की स्थिति

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्कूल शिक्षा विभाग की लेटलतीफी के कई उदाहरण है। फिलहाल अतिशेष शिक्षकों का मामला चर्चाओं में है, क्योंकि दो दिन में कार्यवाही पूरी करने का दावा करने वाला विभाग बीते चार दिन में भी इस प्रक्रिया को पूरी नहीं कर सका है। इसी बीच अब सीएम राइज स्कूलों के अचयनित शिक्षकों को नहीं हटाए जाने का मामला भी तूल पकड़ने लगा है।

जानकारों की माने तो दो साल पहले सीएम राइज स्कूलों में शिक्षकों की पदस्थापना परीक्षा आयोजित कराकर की गई। इसमें जो शिक्षक परीक्षा में शामिल नहीं हुए थे उन्हें दूसरे स्कूलों में स्थानांतरण किया जाना था, लेकिन अब तक अचयनित शिक्षकों को नहीं हटाया गया। विभागीय सूत्रों की माने तो ऐसे में अचयनित शिक्षक स्कूलों में खाली बैठे रहते हैं और कई जगहों पर विवाद जैसी स्थिति भी बन रही है। इससे प्राचार्य परेशान हो रहे हैं।

60 में से 9 अचयनित

राजधानी स्थित सीएम राइज स्कूल बरखेड़ी में 60 शिक्षक पदस्थ हैं। इसमें से नौ शिक्षक अचयनित हैं, जो परीक्षा में शामिल नहीं हुए थे। अब तक इन शिक्षकों को अन्य स्कूलों में पदस्थ नहीं किया गया। इसमें से छह शिक्षक उर्दू विषय के हैं। ऐसे में इनके पास पढ़ाने के लिए कक्षाएं भी नहीं बचती हैं। ऐसी ही स्थिति राजधानी के अन्य सीएम राइज स्कूलों का भी है। यहां के अचयनित शिक्षकों को अब तक स्कूल शिक्षा विभाग ने नहीं हटाया।

बेरोजगार युवाओं के लिए दो योजनाएं शुरू मिलेगा 1 से 50 लाख रुपए तक का ऋण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल जिले के शिक्षित अनुसूचित जनजाति वर्ग के बेरोजगार युवक एवं युवतियां के स्वरोजगार के लिए म.प्र. राज्य सहकारी अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम द्वारा 02 योजनाएं प्रारंभ की गई है। प्रथम योजना संत रविदास स्वरोजगार योजना जिसमें आवेदक को सेवा अथवा व्यवसाय के लिए राशि एक लाख रुपए से 25 लाख रुपए तक एवं निर्माण इकाई के लिए राशि एक लाख से 50 लाख रुपए तक का ऋण विभिन्न बैंको से उपलब्ध कराया जाता है इसके लिए आवेदक की आयु 18 वर्ष से 45 वर्ष तक होना आवश्यक तथा शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम 8 वीं कक्षा उत्तीर्ण हो । दूसरी योजना डॉ भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना जिसमें आवेदक को राशि 10 हजार से एक लाख तक का ऋण उपलब्ध कराया जाता है आवेदक की आयु 18 वर्ष से 55 वर्ष तक होना आवश्यक है इस योजना में लाभ लेने वाले आवेदक को न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता का बंधन समाप्त किया गया है अर्थात साक्षर होना आवश्यक नहीं है । आवेदन एम.पी.ऑन लाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

भोपाल के हमीदिया रोड स्थित खजुराहो होटल में राष्ट्रीय पंजाबी महासभा की 56 वीं कार्यकारिणी सभा बैठक का आयोजन किया गया।

शिविर का उद्देश्य दवा रहित समाज बनाना-यादव

प्राकृतिक चिकित्सा का 10 दिवसीय शिविर शुरू

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

आरोग्य केन्द्र द्वारा आयोजित ÷रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर श्रृंखला÷ में दस दिवसीय शिविर का शुभारंभ रविवार को हुआ, जिसमें विभिन्न स्थानों से कई साधकगण अपक्काहार एवं प्राकृतिक उपचार के साथ-साथ योगा, आयुर्वेदिक उपचार, फिजियोथैरेपी, एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर, शिरोधारा, पोटली मसाज आदि से भी लाभ की उम्मीद लेकर आए हैं।

शिविर में शिविरार्थियों को प्राकृतिक उपचार, योग, उपवास एवं अपक्व आहार, रसाहार, फलाहार के माध्यम से स्वस्थ रहने की कला सिखाई जाएगी। शिविर के प्रथम दिन शिविर में आए शिविरार्थियों का सर्वप्रथम पंजीयन एवं परामर्श प्राकृतिक चिकित्सकों द्वारा किया गया एवं इसके पश्चात् शिविर का शुभारंभ व्याख्यान रेजिडेंशियल मेडिकल ऑफिस डॉ दिनेश यादव ने शुभारंभ व्याख्यान दिय।

यादव ने शिविरार्थियों को ताया कि इस शिविर का उद्देश्य है बिना दवा तंदुरूस्ती पाना। इस दस दिवसीय शिविर में आप अपने शरीर का शुद्धिकरण कैसे करें वो सीखेगें। शरीर का शुद्धिकरण होना बहुत ही आवश्यक हैं इसलिए इस शिविर का नाम ही 'रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर' रखा गया है। इस शिविर में आप ऐसी कला सीखेंगें जिससे आप सुखमय व स्वास्थ्यमय जीवन पा सकें। स्वस्थ जीवन प्राप्त करने के लिए एक ही उपाय है अपनी दिनचर्या में परिवर्तन करना। आप अपनी दिनचर्या में परिवर्तन करेंगे तो ही आप स्वास्थ्य लाभ पा सकेंगे। दस दिवसीय रोग निवारण शिविर में प्राकृतिक चिकित्सकों एवं व्याख्यान कर्ताओं द्वारा कई अलग-अलग विषयों पर सुबह-शाम व्याख्यान सत्र एवं शंका समाधान होगा।

नवोदय प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन 16 सितंबर तक

भोपाल। राजधानी के रातीबड़ स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा छठवीं में प्रवेश के लिए चयन परीक्षा-2025 के आवेदन ऑनलाईन भरे जा रहे हैं। वे ही छात्र-छात्राएँ आवेदन के पात्र हैं जो शासकीय, अशासकीय, ई.जी.एस. के कक्षा पाँचवीं में अध्ययनरत हैं, तथा जिनका जन्म 01 मई 2013 से 31 जुलाई 2015 के मध्य हुआ हो। आवेदक ने कक्षा तीसरी, चौथी, पॉचवीं में लगातार प्रत्येक पूर्ण सत्र में अध्ययन किया हो तथा एक ही कक्षा में पुनरावृत्ति न की हो। विद्यालय में छात्र, छात्राओं को शिक्षा, आवास, भोजन, यूनिफार्म, पाठ्य-पुस्तकें एवं दैनिक उपयोग की वस्तुँ निःशुल्क प्रदान की जाती हैं। इसके अतिरिक्त नवीन शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत छात्र, छात्राओं को कम्प्यूटर, इंटरनेट, स्मार्ट क्लास की सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। चयन परीक्षा 18 जनवरी 2025, शनिवार को आयोजित होगी। चयन परीक्षा के आवेदन केवल ऑनलाईन भरे जाएँगें, केवल बेबसाइट से आवेदन फार्म भरे जा सकते हैं।

परमार्थ के कार्यों में धन देने वाले के धन में होती है वृद्धि होती: भाऊजी

जेएसएस के कार्यो के लिए दिव्यांग फाउंडेशन के कार्यालय का उद्घाटन

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

जयपुर में दिव्यांग फाउंडेशन के कार्यालय का उद्धाटन संतजी के शिष्य सिद्धभाऊजी ने किया। फाउंडेशन 2021 से दिव्यांगों के लिए काम रही है। कार्यक्रम में समाजसेवी दीपक वाधवानी भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर सिद्धभाऊजी ने कहा कि अशक्त वर्ग की सेवा, जरूरतमंदों की मदद ही परमात्मा की सच्ची भक्ति है। ऐसा कार्य करने से ईश्वर प्रसन्न होते हैं। स्वामी हिरदारामजी का कहना था कि बूढ़ों, बच्चों, बीमारों में प्रभु बसते हैं, इनकी सेवा से पुण्य की प्राप्ति होती है। परमार्थ के कार्यों में धन देने वाले के धन में वृद्धि होती है, इसलिए समाज सेवा के लिए व्यक्ति को हमेशा आगे रहना चाहिए।

जीव सेवा संस्थान के सचिव महेश दयारामनी ने बताया कि जेएसएस संतनगर में सेवा कार्य कर रही है। इसके साथ ही राजस्थान में सेवा कार्यो को विस्तार दिया गया है। अजमेर व जयपुर सहित अनेक शहरों में शिक्षा व चिकित्सा के पूर्व से ही अनेक काम चल रहे हैं। इनके विस्तार के लिए कार्यालय की स्थापना की गई है, जिसका उद्घाटन संतजी उत्तराधिकारी संत सिद्धभाऊजी ने किया है। दिव्यांग फाउंडेशन के माध्यम से जयपुर में प्रतिभाशाली दिव्यांग छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करना व रोजगार उपलब्ध कराना, प्रतिभाशाली दिव्यांगों को उच्च शिक्षा हेतु मदद की जाएगी।

फाउंडेशन के कार्यों में राष्टीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन, दिव्यांगों को स्वरोजगार प्रारंभ करने के लिए बिना ब्याज के लोन देने के अलावा उन्हें निःशुल्क आवासीय शिक्षण सह रोजगार प्रशिक्षण जैसी महत्वाकांक्षी योजनाएं शामिल हैं। समाजसेवी डॉ. एसएस अग्रवाल ने कार्यालय के लिए स्थान दिया है।

मेट्रो एंकर

सिंधी कुकिंग कॉप्टिशन पुरस्कार वितरण समारोह

सिंधी भाषा, साहित्य और संस्कृति को बनाए रखने के लिए मेला समिति के प्रयास सराहनीय

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

सिंधी मेला समिति द्वारा पिछले दिनों आयोजित कुकिंग कॉप्टिशन में भाग लेनी वाली महिलाओं के लिए रविवार को मानस भवन में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन आयोजित किया गया, जिसके विशिष्ट अतिथि विधायक भगवान दास सबनानी थे। साथ ही अमिता श्रीवास्तव (दिल्ली दरबार) दिनेश नेहा इदनानी (निर्देशक फन रीजेसी) मुख्य अतिथि एवं प्रभदीप सिह (भोपाल फ़ूड लवर्स) मुद्रा केसवानी (फ़ूड ब्लागर) को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

कार्यक्रम का शुभारंभ सिंधी समाज के अराध्य भगवान झूलेलाल की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित कर किया गया। उसके बाद कुकिंग कॉप्टिशन में भाग लेने वाली सभी महिलाओं अतिथियों द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सबनानी ने महिला प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि आप सभी मात्रशक्ति बधाई के पात्र है, इस कुकिंग कॉप्टिशन करने का मुख्य उद्देश्य अपनी युवा पीढ़ी को अपने खाने से रूबरू करवाना है, अपनी भाषा, संस्कृति, को बचाने के लिए इस तरह के कार्यक्रम सिंधी समाज में लगातार आयोजित होने चाहिए। यह समारोह पूर्ण रूप से महिलाओं को समर्पित रहा है साथ ही इस कुकिंग कंपीटिशन प्रतिस्पर्धा में लगभग 600 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया था।

उल्लेखनीय है कि इस प्रतियोगिता का आयोजन भोपाल के 21 सेंटरो के साथ नर्मदापुरम सहित विदिशा, गंजबसोदा में भी आयोजित किया गया था। इस अवसर पर प्रमुख रूप से समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी महासचिव नरेश तलरेजा. के. एल. दलवानी, किशोर तनवानी, हरीश नागदेव, हरकिशन निहालानी, महेश बजाज सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही।

उच्च शिक्षाः यूजी में 3.80 लाख और पीजी में 1.08 लाख विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया, कुल सीटें 10.32 लाख

यूजी-पीजी में 5 चरण की काउंसलिंग के बाद भी आधी सीटें खाली, कॉलेज आज खाली सीटों की सूची करेंगे चस्पा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा यूजी-पीजी में प्रवेश के लिए चलाई जा रही ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया अंतिम चरण में है। प्रदेश के 1336 कॉलेजों में यूजी व पीजी की 5.91 लाख खाली सीटों को भरने के लिए विशेष कॉलेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) चलाई जा रही है। अब तक यूजी व पीजी में यूजी में 4.88 लाख प्रवेश हुए हैं। पांच चरण की काउंसलिंग के बाद भी करीब आधी सीटें खाली रह गई। यूजी में 3.80 लाख और पीजी में 1.08 लाख विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। यूजी व पीजी में खाली सीटों को भरने लिए इस साल कालेज स्तर पर विशेष काउंसलिंग प्रक्रिया चलाई गई। विशेष सीएलसी में प्रवेश के लिए शनिवार को अंतिम तारीख थी। यूजी व पीजी में करीब 40 हजार प्रवेश हुए हैं। कॉलेजों में खाली सीटों के आधार पर प्रवेश दिया गया। सोमवार को सभी महाविद्यालय अपने यहां की रिक्त सीटों की सूची चस्पा करेंगे। बता दें कि प्रदेश के सरकारी और प्राइवेट कॉलेजों की यूजी-पीजी कोर्सेस की करीब 10.32 लाख सीटें हैं।

इंजीनियरिंग की सीटों का आवंटन कल

तकनीकी शिक्षा विभाग ने ऑनलाइन काउंसलिंग में प्रदेश के करीब 139 इंजीनियरिंग कॉलेजों को शामिल किया गया हैं। पहले चरण के बाद कालेजों में खाली प?ी 56 हजार सीटों पर प्रवेश देने के लिए दूसरे राउंड के तहत सीटों का आवंटन किया जाना है। विभाग यह आवंटन 3 सितंबर को करेगा। जिसके बाद विद्यार्थी छह सितंबर तक आवंटित कालेज में पहुंचकर प्रवेश ले पाएंगे। विद्यार्थियों को प्रवेश के दौरान अपने मूल दस्तावेजों का सत्यापन कराने के बाद प्रवेश लेना होगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, तकनीकी विभाग करीब 21 हजार 500 विद्यार्थियों की तीन लाख 51 हजार च्वाइस फिलिंग में से मेरिट के आधार पर अलॉटमेंट जारी किया जाएगा। इसमें सबसे ज्यादा करीब 12 हजार सीटें सीएस की हैं, जिसमें प्रवेश लेने के लिए विभाग को करीब 81 हजार च्वाइस फिलिंग मिली है। इसी तरह मैकेनिकल की आठ हजार सीटें पर प्रवेश लेने के लिए करीब 30 हजार च्वाइस फिलिंग दर्ज की गई हैं। इसमें विभाग को करीब 18 हजार 300 प्रवेश मिले हैं।

छात्राओं ने फिर छात्रों को पीछे छोड़ा

कॉलेजों में प्रवेश लेने के मामले में छात्राओं ने फिर छात्रों को पीछे छोड़ दिया है। यूजी कोर्स में छात्र-छात्राओं के बीच करीब 50 हजार का अंतर है। वहीं पीजी कोर्स में छात्रों की अपेक्षा छात्राओं ने दोगुना एडमिशन लिए हैं। विभागीय जानकारों की माने तो 10-12वीं और यूजी के अंतिम वर्ष की परीक्षाओं में पास छात्राओं का प्रतिशत छात्रों की अपेक्षा अच्छा रहा है। इसके चलते यूजी पीजी में छात्राओं के एडमिशन भी अधिक हुए हैं।

- राशन की कमी का हवाला देने वाले वितरकों पर होगी कार्रवाही, सरकार ने लागू की सुधार वाली राशन वितरण व्यवस्था

- व्यवस्था नई व्यवस्था में भी परेशान हो सकते हैं कई हितग्राही, सांठ गांठ करने वालों का हो सकता है फायदा

अब जिस महीने का राशन उसी महीने दो माह का एकमुश्त नहीं मिलेगा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सरकार ने राशन वितरण व्यवस्था में बदलाव किया है अब जिस महीने का राशन होगा इस महा राशन दुकानों से लेना पड़ेगा यदि नहीं लिया तो अगले महीने की तारीखों में पिछले माह का राशन नहीं मिलेगा सरकार ने इसे कैरी फॉरवार्ड नाम दिया है और कहां है कि पिछले महीने का राशन आने वाले महीने में कैरी फॉरवर्ड नहीं होगा।

इसका मतलब यह है कि अभी तक उपभोक्ता यदि किसी महीने राशन नहीं लेते थे या उन्हें राशन दुकान वाले यह कहकर लौटा देते थे कि इस महीने राशन नहीं आया है अगले महीने ले लेना तो यह नहीं चलेगा। जिस महीने का राशन होगा, इस महीने दुकानों से लेना पड़ेगा। सरकार द्वारा किए गए इस बदलाव पर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं। विपक्ष का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में दो-दो महीने तक राशन दुकान खाली रहती हैं। वहां राशन नहीं पहुंचता और जब कई दुकानों में पहुंच जाता है तो सेल्समैन और बांटने वाले छुट्टी पर होते हैं। तीज त्यौहार पड़ जाता है। इस तरह पूरे महीने दुकान नहीं खुलती। ऐसे में पिछले महीने का राशन अगले महीने नहीं देने वाली व्यवस्था गरीबों के हित में नहीं है। इसमें बदलाव होना चाहिए और भ्रष्टाचार मुक्त पुरानी व्यवस्था ही लागू होनी चाहिए।

असल में अब राशन सामग्री केरी फॉरवर्ड नहीं होगी। पात्र परिवारों को प्रत्येक महीने की 1 से 31 तारीख के बीच उनके हिस्से का राशन मिलेगा। खाद्य, नागरिक एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने इसके निर्देश दिए है। यह व्यवस्था केंद्र की प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत की गई है। प्रदेश के कई जिलों में अगस्त माह से इसे शुरू कर दिया गया है। अगस्त माह में एक करोड़ 17 लाख 53 हजार पात्र परिवारों को राशन सामग्री का वितरण किया गया। इसमें 7 लाख 96 हजार वे परिवार हैं जिन्हें जुलाई 2024 करीब समय पर राशन नहीं मिला था। ऐसे परिवारों को 1 से 15 अगस्त के बीच केरी फॉरवर्ड राशन का वितरण किया गया है। वहीं 'वन नेशन-वन राशन कार्ड' के मप्र ने अन्य राज्यों के 3 हजार 644 परिवार को राशन दिया है। इसी तरह अन्य राज्यों में मप्र के 34 हजार 667 परिवारों को राशन मिला। अब तक कुल 14 लाख 38 हजार 630 परिवारों को उक्त व्यवस्था के तहत राशन मिल चुका है।

खाद्य नागरिक आपूर्तियों उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश में ऐसे कई परिवार हैं जो लगातार पिछले 6 महीने से राशन लेने के लिए दुकानों पर नहीं पहुंचे हैं। इनमें से एक लाख 74 हजार परिवारों को लंबा समय हो गया है। ऐसे परिवारों के मुखिया का नाम संबंधित राशन दुकान पर चश्पा कर दिया है। यदि यह जल्द राशन नहीं लेते हैं तो इनका नाम विलोपित किया जाएगा। राशन व्यवस्था को पारदर्शी बनाने और के लिए यह कर रहे है।

विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक 25 अगस्त तक राशन नहीं लेने वाले 13 लाख 33 हजार 470 पात्र परिवारों को राशन लेने के लिए एसएमएस किए हैं। मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने पात्र उपभोक्ताओं से कहा कि नियत्रंण कक्ष के दूरभाष नम्बर- 0755-2551475 पर कठिनाईयों को साझा कर सकते हैं, तत्काल निराकरण किया जाएगा।

गुमराह किए जा सकते हैं हितग्राही

उपभोक्ता संरक्षण मामलों के विशेषज्ञों का कहना है की एक दृष्टि से पुराने पिछले महीने का राशन अगले महीने कैरी फॉरवार्ड नहीं होने की व्यवस्था सिस्टम में सुधार लाने की कोशिश दिखाई देती है। लेकिन इसका भी कुछ लोग तोड़ निकाल सकते हैं जिसका शिकार आम उपभोक्ता होंगे। इन उपभोक्ताओं को कुछ लोग यह कहकर भ्रमित कर सकते हैं कि इस महीने का राशन नहीं आया। परिवहन में ही देरी हो गई, ऊपर से ही निर्देश थे या फिर अवकाश के कारण राशन दुकान नहीं खोल रहे हैं आदि। इस तरह कई अफसर संबंधिततो के हिस्से का राशन बचा लेंगे, जिसे अन्य तरह से उपयोग किया जा सकता है।

अमानक दवाई मामले की जांच और मंत्री के इस्तीफे की मांग

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सरकारी अस्पतालों में गुणवत्ताहीन दवाओं की सप्लाई करने के मामले में कांग्रेस ने स्वाथ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला से इस्तीफे की मांग करते हुए प्रदेश की जनता की सेहत से खिलवाड़ करने वाले दवाई सप्लायरों और दोषी अफसरों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई करने और उक्त मामले की जांच राज्य के बाहर की किसी उच्च स्तरीय जांच एजेंसी से कराने की मांग की है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता संगीता शर्मा ने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री और राज्य के मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टार्लेस की बात तो करते हैं पर यहां तो हर जगह सिर्फ और सिर्फ भ्रष्टाचार के अलावा कुछ नजर नहीं आता है। 15 दिन में तीसरी बार अमानक दवाओं के इस्तेमाल पर रोक लगना यह बताता है कि भ्रष्टाचार भाजपा सरकार की नस - नस में समय हुआ है। कांग्रेस प्रवक्ता शर्मा ने कहा कि हाल तो यह है कि सरकारी अस्पतालों में मिलने वाला ओआरएस पाउडर भी राब क्वालिटी का पाया गया। इसके अलावा कैल्शियम और विटामिन डी 3 की टैबलेट अमानक पाई गई है। सुश्री शर्मा ने कहा कि बैतूल, देवास और धार में दवाओं की लैब टेस्टिंग कराने पर सभी दवाइयां फेल पाई गई है। लगभग पूरे प्रदेश में सरकारी अस्पतालों में वितरित की गई दवाएं अमानक स्तर की है। इतने बड़े पैमाने पर अमानक दवाई की सप्लाई बिना सरकार में शामिल लोगों की सहमति से संभव नहीं है। इसलिए मुख्यमंत्री मोहन यादव को मामले की निष्पक्ष जांच के लिए तुरंत स्वास्थ मंत्री और उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल को मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर देना चाहिए। उन्होंने कहा की इसके अलावा इस बड़े घोटाले की जांच सीबीआई या किसी उच्च स्तरीय जांच एजेंसी से करानी चाहिए ताकि जनता की सेहत से खिलवाड़ करने वाले दोषियों पर कठोर कार्रवाई हो सके।

अब तक क्या कर रही थी सरकार

कांग्रेस प्रवक्ता संगीता शर्मा ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में इन दवाओं के इस्तेमाल पर रोक का निर्देश भले दे दिया गया है पर इतने बड़े पैमाने पर अमानक दवाई वितरण में सरकारी तंत्र क्या कर रहा था।

बांधवगढ़ रिजर्व को मिला फील्ड डायरेक्टर बाघों की लगातार मौत के बाद हुई नियुक्ति

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व को लंबे समय बाद फील्ड डायरेक्टर मिल गया है वन विभाग ने रविवार शाम को गौरव चौधरी को यह जिम्मेदारी दी है। चौधरी 2010 बैच के आईएफएस हैं। असल में लंबे समय से बांधवगढ़ का टाइगर रिजर्व में फील्ड डायरेक्टर का पद खाली था। डिप्टी डायरेक्टर ही कामकाज संभाल रहे थे। इस बीच टाइगर रिजर्व के अंदर व आसपास के क्षेत्र में एक के बाद एक 40 से अधिक बाघों की मौत हुई। ये मौत 2021 के बाद से अब तक हुई है। इनमें कुछ मौतें आपसी संघर्ष से होना सामने आई है जो की दो बाघों के बीच या तेंदुए और बाघों के बीच होता है। यह स्थिति तभी बनती है जब किसी क्षेत्र में बाघों की संख्या अधिक हो जाए और उनके लिए शिकार कम पड़ने लगे। कई बार यह स्थिति बाघों के बीच आपस में खुद के क्षेत्र में वर्चस्व स्थापित करने के लिए भी बनती है। कुछ मौतों की वजह शिकार भी सामने आया है। उल्लेखनीय है कि चौधरी शहडोल सामान्य वन मंडल के डीएफओ थे। उनकी यह नियुक्ति अस्थाई तौर पर अगले आदेश तक की है।

फार्मेसी कॉलेजों की मान्यता सूची अब तक नहीं की गई जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

फार्मेसी कोर्सेस संचालित करने वाले कॉलेजों को पीसीआई की ओर से अब तक मान्यता नहीं मिल सकी है। मान्यता की प्रक्रिया 31 अक्टूबर तक चलेगी। फीस तय होने आदि में नवंबर तक का समय लग सकता है। ऐसे में फार्मेसी में प्रवेश लेने के लिए अब भी विद्यार्थियों को करीब दो माह का इंतजार करना होगा। तकनीकी शिक्षा विभाग ने द्वारा फार्मेसी कोर्सेस बी. फार्मेसी, डी. फार्मेसी, एम. फार्मेसी कोर्सेस को छोड़कर अन्य कोर्स में एडमिशन के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू कर दी है।

कॉलेज प्रवेशः 68 सरकारी-निजी कालेजों में शुरू होगा एआई पाठ्यक्रम, मिली स्वीकृति

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के कॉलेज विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। 68 सरकारी व निजी कॉलेजों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) पाठ्यक्रम शुरू होंगे। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। इन आर्टिफिशियल इंटेलीजेस और फिनटेक विथ आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए संबंधित कालेजों में जल्द व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थी प्रवेश ले सकें। जारी आदेश के अनुसार कालेजों में दो सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस व फिनटेक विथ आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पाठ्यक्रम के संचालन करने की स्वीकृति मिली है। दोनों सर्टिफिकेट कोर्स के लिए महाविद्यालय में आठ-आठ सीटें रहेंगी। इन पाठ्यक्रम के लिए चयनित विद्यार्थियों से किसी भी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

यह पाठ्यक्रम निःशुल्क, होगी चयन परीक्षाः विद्यार्थियों को यह पाठ्यक्रम निःशुल्क पढ़ने को मिलेगा। यह पाठ्यक्रम आईआईटी दिल्ली के सहयोग से प्रदेश के कालेजों में संचालित होंगे। इसमें प्रदेश के 55 जिलों में प्रधानमंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस और 13 शासकीय स्वशासी महाविद्यालय शामिल हैं, जिसमें दो एआई सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम शुरू होंगे। इन दोनों पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए चयन परीक्षा आयोजित की जाएगी। दोनों पाठ्यक्रम 90 घंटे का होगा।इन पाठ्यक्रम के लिए जो विद्यार्थी चयनित होंगे।

मेट्रो एंकर अतिथि शिक्षक पांच सितंबर को शिक्षक दिवस पर राजधानी में करेंगे प्रदर्शन

अतिशेष की कार्यवाही में उलझ गई अतिथि शिक्षकों की प्रक्रिया, स्कूलों में होगी पढ़ाई प्रभावित

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेशभर में सरकारी स्कूलों में सरप्लस पाए गए 33 हजार से अधिक शिक्षकों को काउंसलिंग के माध्यम से रिक्त पद वाले स्कूलों में भेजने की प्रक्रिया जारी है। इसी बीच अब इस प्रक्रिया से अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति पर संकट नजर आने लगा है। जानकारों की माने तो जुलाई से अतिथि शिक्षकों को नियुक्त करने की प्रक्रिया चल रही है, लेकिन अब तक छह बार तिथि बढ़ाई जा चुकी है। अतिथि शिक्षकों को अगस्त से स्कूलों में पढ़ाने के लिए आमंत्रित किया जाना था।

इसी बीच प्रदेश में अतिशेष शिक्षकों की सूची सामने आने से अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति पर रोक लगा दी गई है। प्रदेश भर में करीब 70 हजार अतिथि शिक्षक हैं। अतिशेष के कारण 50 प्रतिशत इस सत्र में बेरोजगार हो जाएंगे। इसे लेकर अतिथि शिक्षक पांच सितंबर को शिक्षक दिवस पर राजधानी में प्रदर्शन भी करेंगे। स्कूलों में नौवीं से 12वीं तक की कक्षाओं की तिमाही परीक्षाएं सितंबर के दूसरे सप्ताह से शुरू होने वाली है। ऐसे में शिक्षकों को उच्च पद का प्रभार देने के कारण और अतिशेष शिक्षकों की काउंसलिंग के कारण स्कूलों में पढ़ाई प्रभावित हो रही है। वहीं, विभाग स्कूलों में रिक्त हजारों पदों पर अतिथि शिक्षकों की भर्ती ही नहीं कर पा रहा है।

संपादकीय

उम्र की सीमा और व्यवहारिकता

हिमाचल प्रदेश की विधानसभा में हाल में एक विधेयक पारित किया गया है, जिसमें शादी की न्यूनतम आयुसीमा 21 कर दी गई है। इसे लेकर कई तरह की बहसें चल पड़ी हैं। हिमाचल की सुक्खू सरकार शादी की न्यूनतम आयु सीमा बढ़ाकर वास्तव में क्या हासिल करना चाहती है, समझना अभी मुश्किल है। यह इसलिये भी अजब मामला हो गया है क्योंकि अपनी सरकार के इस कदम पर प्रदेश की सत्ताधारी पार्टी कांग्रेस ने भी हैरत जताई है। अब लगता है कि राज्य विधानसभा में पारित होने के बावजूद इस विधेयक का कानून बनकर लागू होना मुश्किल है। इस विधेयक में चाइल्ड मैरिज एक्ट 06 को संशोधित किया गया है, जिसे संसद ने पारित किया था। जाहिर है, राज्यपाल के हस्ताक्षर के बाद भी लागू होने से पहले इसे राष्टपति की मंजूरी के लिए भेजा जाना है। ऐसे में सवाल यह है कि क्या देश भर में लागू एक कानून से अलग प्रावधान वाले इस विधेयक को राष्टपति की हरी झंडी मिलेगी। वहीं इस विधेयक ने कांग्रेस पार्टी के लिए भी असहज हालात पैदा कर दिए हैं। साल की शुरुआत में जब केंद्र सरकार ने पिछली लोकसभा में इसी तरह का एक कानून लाने की कोशिश की थी तो कांग्रेस ने उसका विरोध किया था। ऐसे में अब उसी के शासन वाले राज्य में इस विधेयक के पारित होने के बाद उसके सामने सवाल आ गया है कि वह विधेयक की निंदा करे तो कैसे और उसका बचाव करे तो कैसे। क्योंकि सबसे बड़ी बात तो यह है कि राज्य में ऐसी किसी पहल की कोई मांग भी नहीं थी। ऐसा भी नहीं है कि हिमाचल बाल विवाह के मामले में अग्रणी राज्यों में आता हो। झारखंड जैसे राज्यों में हालात कहीं बदतर हैं। लेकिन अगर बाल विवाह के कुछ मामले राज्य में होते भी हैं तो कानून बनाकर उसे रोक लेने की सोच अव्यावहारिक और बचकानी कही जाएगी। लड़कियों की कम उम्र में शादी के पीछे गरीबी, शिक्षा की कमी, अवसर का अभाव और पितृसत्तात्मक सोच जैसे कारक हैं। देश में जैसे-जैसे इन मोर्चों पर हालात बदले हैं, बाल विवाह में भी कमी देखी गई है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के मुताबिक देश में 20 से 24 साल के बीच की 47 फीसदी महिलाएं ऐसी पाई गईं जिनकी शादी 18 साल से कम उम्र में हो गई थी। फिर सर्वे 4 में यह घटकर 27 फीसदी पर पहुंच गया और सर्वे-5 में और घटकर 23 फीसदी हो गया। इसके लिए कानून बदलने की कोई जरूरत नहीं पड़ी। साफ जाहिर है, राज्य सरकार का मकसद चाहे जो भी हो, समस्या को सुलझाने में इस कदम से कोई मदद नहीं मिलेगी, उलटे इससे कानूनी उलझन और बढ़ेगी। बेहतर तो यह होगा कि सरकार यह कदम वापस लेकर लड़कियों को सशक्त बनाने की दिशा में प्रयास तेज करे।इसके लिये उन्हें बेहतर शिक्षा,स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराए। इसके अलावा बालिकाओं व महिलाओं को पर्याप्त सामाजिक सुरक्षा की भी दरकार है। हाल में कुछ राज्यों में हुई घटनायें इस और बार बार इशारा कर रही हैं। यानि यह ऐसा संवेदनशील विषय है जहां पर सियासत के बजाए संवेदना की जरूरत है। जहां तक विधेयक की बात है तो आने वाले दिनों में इस पर हिमाचल सरकार की प्रतिक्रिया या इसकी वजहों पर खुलकर बातें रखे जाने की प्रतीक्षा है।

> संसार भर के उपद्रवों का मूल व्यंग्य है। हृदय में जितना यह घुसता है, उतनी कटार नहीं।
>
> – जयशंकर प्रसाद

आज का इतिहास

- 1650: इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के बीच डनबर की लड़ाई।
- 1791: फ्रांस की नेशनल एसेंबली ने फ्रांसीसी संविधान को पारित किया।
- 1783: अमेरिका और ब्रिटेन के बीच पेरिस की संधि के साथ युद्ध समाप्त हुआ।
- 1833: अमेरिका में पहली सफल समाचार पत्र 'न्यूयार्क सन' बेंजामिन एच डे के द्वारा शुरू किया गया।
- 1900 : रूसी सेना ने आमूर नदी पर नियंत्रण स्थापित किया।
- 1918: प्राचीन इस्लामी नगर दमिश्क् पर ब्रिटेन की सेना का अधिकार हो गया।
- 1921: बेल्जियम में कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना हुई।
- 1923: तबला वादक पंडित किशन महाराज का जन्म हुआ था।
- 1924: चीन में गृह युद्ध की शुरुआत हुई।
- 1939: जर्मनी के पोलैंड पर चढ़ाई करने के दो दिन बाद ब्रिटेन-फ्रांस ने उसके खिलाफ जंग का ऐलान किया।
- 1939 : ब्रिटिश प्रधानमंत्री नेविले चेम्बरलिन द्वारा एक रेडियो प्रसारण पर ब्रिटेन और फ्रांस का जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा करने के साथ ही द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हुआ।
- 1943: दूसरे विश्व युद्ध के दौरान मित्र राष्ट्रों ने इटली पर हमला किया।
- 1943: द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इटली ने हथियार डालने के समझौते पर हस्ताक्षर किये।
- 1964: अमेरिकी अटॉर्नी जनरल रॉबर्ट केनेडी ने इस्तीफा दिया।
- 1971: कतर स्वतंत्र राष्ट्र बना।
- 1984: दक्षिण अफ्रीका ने संविधान अंगीकार किया।
- 1984: फिलिपीन्स में आये भयानक तूफान की वजह से करीब 1300 लोगों की मौत और सैकड़ों घायल।
- 1998 : नेल्सन मंडेला ने गुट निरपेक्ष आंदोलन शिखर सम्मेलन में कश्मीर का मुद्दा उठाया, प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कड़ी आपत्ति जताई
- 2003: पाकिस्तान सरकार द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो पर देशद्रोह का मुकदमा चलाने का निर्णय।

निशाना

हो ऐसे तैयारी !

- कृष्णेन्द्र राय

मिल रही नसीहत ।
हो ऐसे तैयारी ।।
रणनीति पर काम ।
होगा रखना ज़ारी ।।
गुरु मंत्र मिल रहा ।
पल पल हो सुधार ।।
कैसे भी बढ़ाना है ।
अपना ये आधार ।।
झोंकनी है ताक़त ।
आ गया वो वक्त ।।
ना बनना है ढ़ीला ।
हो जाना है सख्त ।।
बढ़ते जाना आगे ।
हों विरोधी पस्त ।।
सीटें बढ़ने वाली ।
हैं करते आश्वस्त ।।

लोकतंत्र में शक्ति सम्पन शासन के बजाय लुंज पुंज राज से पतन

आलोक मेहता

कल्पना कीजिये कौन अपने परिवार का मुखिया कमजोर , बीमार और बैसाखियों के सहारे देखना चाहेगा ? कौन घर में शारीरिक रुप से कमजोर बच्चे या दामाद अथवा बहू होने की प्रार्थना करेगा ? भारत को पोलियो से मुक्त होने का गौरव हो सकता है , तो देश में एक मजबूत प्रधान मंत्री और सरकार होने पर गौरव के साथ खुशी क्यों नहीं हो सकती है ? लेकिन इन दिनों राजनीति के अलावा भी कुछ लोग हैं , जो कमजोर और गठबंधन की सरकार की तमन्ना के साथ वैसी स्थिति के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। इसका एक कारण लोक सभा चुनाव के बाद प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को दो क्षेत्रीय दलों का सहयोग लेना पड़ रहा है । सरकार के कुछ निर्णयों को संसद में तत्काल पारित कर लागू करने के बजाय संसदीय समिति आदि से विस्तृत विचार और जरुरत होने पर संशोधन के लिए रख दिया गया । लेकिन इस रुख से प्रधान मंत्री को कमजोर तथा सरकार पांच साल नहीं चल सकने के दावे करके देश विदेश में भ्रम पैदा किया जा रहा है । जबकि अब लोक सभा और राज्य सभा में भी पर्याप्त बहुमत होने से सरकार महत्वपूर्ण विधेयक पारित करवा सकेगी । संविधान में बड़ा संशोधन किए बिना सरकार सामाजिक आर्थिक और सामरिक क्षेत्र में विभिन्न स्तरों पर क्रन्तिकारी बदलाव के फैसले संसद से पारित कर लागू कर सकती है ।

प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी से लेकर नरेंद्र मोदी तक की सरकारों के कार्यकाल का गहराई से विश्लेषण किया जाए तो यह साबित हो सकता है कि इंदिरा गाँधी और नरेंद्र मोदी ने सर्वाधिक साहसिक फैसले किए । पहला परमाणु परीक्षण हो या बैंकों और कोल् इंडिया का राष्ट्रीयकरण या 19।1 में पाकिस्तान के साथ युद्ध के बाद बांग्ला देश का निर्माण , क्या कमजोर नेतृत्व की सरकार से संभव था । उन निर्णयों को गलत कहने वाले लोग रहे हैं । हाँ इमरजेंसीं बहुत बड़ी राजनीतिक गलती थी ,लेकिन यह प्रधान मंत्रीं के कमजोर होने की परिणिति थी । दूसरी तरफ प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने नोटबंदी , जम्मू कश्मीर से धारा 3।0 ख़त्म करने , तलाक व्यवस्था विरोधी कानून , संसद और विधान सभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान का आरक्षण , ब्रिटिश राज के काले कानूनों के बजाय नई न्याय संहिता लागू करने जैसे क्रन्तिकारी बदलाव अपने दृढ संकल्प और पर्याप्त बहुमत के बल पर किए । आज़ादी के बाद कोई प्रधान मंत्री इतने बड़े कदम नहीं उठा सके झ इससे पहले 196। (इंदिरा गाँधी) , 19।। - 19।9 (मोरारजी देसाई और चरण सिंह) , 1989 - 1991 (वी पी सिंह , चंद्रशेखर) , फिर 1999 तक नरसिंहा राव , अटल बिहारी वाजपेयी , एच डी देवेगौड़ा इंद्रकुमार गुजराल तक की कमजोर सरकारों से कोई बड़े निर्णय नहीं हो सके । इसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह की गठबंधन की सरकारों में खींचातानी , घोटालों की मजबूरियों से न केवल राजनीतिक पतन बल्कि आर्थिक विकास में कठिनाइयां आई । गठबंधन के कारण वाजपेयी और मनमोहन सिंह को कई क्षेत्रीय नेताओं के दबाव और भ्रष्टाचार को झेलना पड़ा । इसे राजनीतिक चमत्कार ही कहा जा सकता है कि नरेंद्र मोदी के दस वर्षों के कार्यकाल में किसी एक मंत्री के विरुद्ध घोटाले का कोई प्रामाणिक आरोप सामने नहीं आ सका । राहुल गाँधी या अन्य विरोधी नेता सरकार पर अनेक आरोप लगाते रहे , फिर भी जनता ने तीसरी बार मोदी की सरकार बनवा दी ।

केंद्र से अधिक राज्यों में कमजोर मुख्यमंत्रियों तथा दल बदल की अस्थिर सरकारों से राजनीति से अधिक नुकसान सामाजिक और आर्थिक विकास में हुआ । दिलचस्प बात यह है कि 1956 में केरल से दलबदल की शुरुआत हुई और बहुमत वाली कांग्रेस को धक्का लगा । इसके बाद तो केरल में कम्युनिस्ट पार्टियों , मुस्लिम लीग और स्थानीय पार्टियों के गठबंधन की सरकारों तथा कांग्रेस गठबंधन की दोस्ती दुश्मनी का खेल चलता रहा । वह आज भी जारी है । राज्य और केंद्र में दोनों के चेहरे या मुखौटे अलग अलग हैं । पार्टी के कार्यकर्ताओं और जनता के लिए भ्रम जाल ही कहा जा सकता है । हाल के चुनाव में भी राहुल गाँधी के विरुद्ध मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने उम्मीदवार खड़ा किया , पश्चिम बंगाल में भी यही किया । जबकि केंद्र के लिए बने कथित गठबंधन में साथ रणनीति बनाते रहे । दुनिया में ऐसा राजनीतिक मजाक और धोखा शयद ही देखने को मिले । उनके लिए सत्ता का खेल है , लेकिन इस तरह की स्थितियों से केरल अन्य पडोसी दक्षिण के राज्यों से आर्थिक विकास में पिछड़ता गया । साक्षरता में अग्रणी और योग्य लोगों को बड़ी संख्या में खाड़ी के देशों में नौकरी तथा अन्य काम धंधों के लिए दुनिया भर में जाना पड़ा । यही स्थिति पश्चिम बंगाल में हुई , जहाँ कांग्रेस , कम्युनिस्ट , माओवादी , तृणमूल कांग्रेस के माया जाल से सत्तर के दशक तक रहे उधोग धंधे भी बर्बाद हुए और टाटा बिड़ला जैसे उद्योगपति तक अपने उद्योग अन्य राज्यों में ले गए ।

पड़ोसी बिहार और झारखण्ड भी दलबदल , जोड़ तोड़ , भ्रष्टाचार , कमजोर मुख्यमंत्रियों और अस्थिर सरकारों से आर्थिक विकास में पिछड़ता गया । भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर से नीतीश कुमार तक या कांग्रेस के भागवत झा जैसे ईमानदार मुख्यमंत्रियों को अधिक समय टिकने नहीं देने का नुकसान समाज को हुआ । यह बात जरुर है कि नीतीश कुमार को लगातार जन समर्थन मिला , लेकिन उन्हें अन्य दलों और भ्रष्टतम आरोपी लालू यादव जैसे नेताओं तक का सहारा भी लेना पड़ा । आदिवासियों के लिए संघर्ष से बने झारखण्ड की दुर्गति सबको दिख रही है । उत्तर प्रदेश में 196। के बाद दल बदल से कई बार अस्थिर सरकारें और कमजोर मुख्यमंत्री रहे । कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व ने कमलापति त्रिपाठी , हेमवतीनंदन बहुगुणा , नारायणदत्त तिवारी जैसे नेताओं को कभी मुख्यमंत्री बनाया , कभी हटाया । सो अब तक राहुल गाँधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे केंद्र में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को ही नहीं अपने किसी मुख्यमंत्री को मजबूत नहीं देखना चाहते । राजस्थान में अशोक गेहलोत , मध्य प्रदेश में कमलनाथ या उससे पहले ईमानदार मोतीलाल वोरा , पंजाब में कैप्टन अमरेंद्र सिंह , हरियाणा में भूपेंद्र सिंह हुड्डा को मजबूत नहीं होने देने के लिए अपने विधयकों को शह देते रहे । तमिलनाडु गठबंधन की राजनीति से लगातार प्रभावित रहा । पूर्वोत्तर के छोटे राज्य अब थोड़ी राहत पाकर आर्थिक प्रगति कर रहे हैं । अन्यथा अस्थिरता और र्भ्ष्टाचार से बेहद क्षति हुई । आश्चर्य यह है कि इस असलियत को देखने जानने वाले लोग भी केंद्र और राज्यों में अश्थिर गठबंधन की कमजोर सरकारों और मुख्यमंत्रियों को लाने की दुहाई दे रहे हैं ।

देश के प्रथम नागरिक द्वारा चिंता व्यक्त! एक ऐतिहासिक घटना

आखिर पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन कब तक?

राजीव खंडेलवाल

स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह शायद पहली बार हो रहा है कि देश की महामहिम राष्ट्रपति ने देश के किसी भाग में हुई विक्षप्त यौन घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की है। कोलकाता में ट्रेनिंग डॉक्टर से रेप मर्डर केस के लगभग 20 दिन बाद ''विमेंस सेफ्टी इनफ इज इनफ'' नाम से लिखे अपने लेख पर ''पीटीआई एडिटर्स'' से चर्चा के दौरान उन्होंने बतलायाः- ''कोलकाता में हुई डॉक्टर के रेप और मर्डर की घटना से देश सकते में है। जब मैंने इसके बारे में सुना तो मैं निराश और भयभीत हुई। ज्यादा दुखद बात यह है कि यह घटना अकेली घटना नहीं है। यह महिलाओं के खिलाफ अपराध का एक हिस्सा है। जब स्टूडेंट्स, डॉक्टर और नागरिक कोलकाता में प्रोटेस्ट कर रहे थे, तो अपराधी दूसरी जगहों पर शिकार खोज रहे थे। विक्टिम में किंडरगार्टन की बच्चियां तक शामिल थी। कोई भी सभ्य समाज अपनी बेटियों बहनों पर इस तरह के अत्याचारों की इजाजत नहीं दे सकता। देश के लोगों का गुस्सा जायज है, मैं भी गुस्से में हूं।''

राष्ट्रपति शासन अभी तक क्यों नहीं ; महिला आदिवासी राष्ट्रपति होने के कारण और महिला पर यौन अत्याचार होने के कारण उनके मन में चिंता के भाव, आना और ''आहत'' होना स्वाभाविक ही है। परंतु राष्ट्रपति के संवैधानिक पद पर रहते हुए सार्वजनिक रूप से उक्त प्रतिक्रिया व्यक्त करना, क्या इस बात का संकेत नहीं करता है कि राज्य में कानून, तंत्र की व्यवस्था ध्वस्त हो गई है? आखिर ''राष्ट्रपति शासन'' लगाने की परिस्थितियां कब व क्यों होती है? राष्ट्रपति के प्रतिनिधि के रूप में राज्यपाल को गृह मंत्रालय के माध्यम से राष्टपति को रिपोर्ट करना होता है। उनका भी मत ममता सरकार के प्रति कभी भी अच्छा या सकारात्मक नहीं रहा है। वे कह चुके है बंगाल में लोकतंत्र नहीं है। राज्य सरकार हर मोर्चे पर असफल रही है और बंगाल पुलिस का अपराधीकरण हो गया है। बावजूद इसके न तो राज्यपाल ने राष्ट्रपति शासन की सिफारिश की और न ही केंद्र ने राज्यपाल से रिपोर्ट देने को कहा। वैसे भी राज्यपालों की स्थिति तो केंद्र के इशारों पर कार्य करने की रही है। इसलिए यह समझ से परे है कि इतनी खराब कानूनी स्थिति, जिस पर केन्द्र सरकार के मंत्री व पश्चिम बंगाल भाजपा के नेतागण ममता सरकार पर आरोपों की बौछार लगातार लगा रहे है, बावजूद इसके राष्ट्रपति शासन के कोई संकेत अभी तक नहीं मिले है? यदि यह स्थिति किसी अन्य राज्य की होती तो शायद अभी तक राष्ट्रपति शासन जरूर लग जाता। पूर्व में भी कानून व्यवस्था के नाम पर राज्यों में राष्ट्रपति शासन लगाए गए थे। याद कीजिए 1992 में बाबरी मस्जिद ढहाई गई थी तो उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश में ''कानून व्यवस्था'' के नाम पर ही राष्ट्रपति शासन लगाया गया था।

इससे बड़ा प्रश्न यह है कि राष्टपति की संवेदना में सिर्फ कोलकाता की टेऊनी डॉक्टर की घटना का ही उल्लेख किया गया! क्यों? इससे भी बुरा जघन्य अपराध महाराष्ट्र के ठाणे के बदलापुर में हुई दो नाबालिग (मात्र 3 साल की) बच्चियों के साथ घटित बलात्कार की घटना, उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद में दो बच्चियों के लटके शव, उन्नाव, हाथरस, बिलकिस बानो, महिला पहलवान, बिहार के मुजफ्फरपुर में 14 साल की दलित लड़की का अपहरण कर हत्या कर दी गई, मनीपुर में 4 मई को भडके दंगे के बाद दो आदिवासी महिलाओं को नग्न कर बदन से खिलवाड़ करते हुए घुमाया व गैंगरेप हुआ जिनमें एक महिला तो सीमा पर खड़े सैनिक की धर्मपत्नि थी, तब महामहिम ने एक शब्द भी नहीं बोला। इसी समय देश के कई राज्यों में बलात्कार की कई घटनाएं हुई है। हमारे देश में औसतन 85 बलात्कार प्रतिदिन (हर 16 मिनट में एक) हो रहे हैं। राजस्थान इस मामले में सबसे अग्रणी राज्य है। परंतु राष्ट्रपति ने उन सब घटनाओं को एक साथ जोडकर अपना दुख व रोष व्यक्त नहीं किया! क्यों। या फिर पश्चिम बंगाल के कोलकाता का नाम न लेकर वह देश के विभिन्न भागों में हो रही बलात्कार की अनेक घटनाओं का उल्लेख कर चिंता व्यक्त कर सकती थी? एक तो हमारे देश में राष्ट्रपति वैसे ही बहुत कम अवसरों पर बोलते है और जब राष्ट्रपति बोली तब निश्चित रूप से वे बोल निष्पक्ष नहीं दिखें। शायद इसीलिए तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के बयान महामहिम के उपरोक्त कथन के संबंध में आने लगे। इसलिए महामहिम को इस बात पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि देश में हो रही यौन शोषण की घटनाओं की एक लाइन से भर्त्सना करे और समस्त राज्य सरकार को निर्देशित करें कि कानून व्यवस्था व तंत्र को सुधारा जाए, क्योंकि दुष्कर्म के मात्र 27 प्रतिशत मामलों में ही सजा हो पाती है।

साभार- यह लेखक के अपने विचार हैं।

भूलवश शायद गलत तथ्य का उल्लेख !

महामहिम ने शायद भूलवश एक गलत तथ्य का उल्लेख अपने लेख में किया है ''वह जब स्टूडेंट्स, डॉक्टर और नागरिक कोलकाता में प्रोटेस्ट कर रहे थे, तो अपराधी दूसरी जगहों पर शिकार खोज रहे थे।'' वास्तव में तो अपराधी 18 घंटे में ही गिरफ्तार हो गया था। अभी तक यह बात सामने नहीं आयी है कि इस कांड में अन्य अपराधी भी शामिल थे। यद्यपि कुछ क्षेत्रों में यह दावा जरूर किया गया है। परन्तु यह तो डीएनए की रिपोर्ट से ही सिद्ध हो पायेगा, जिस रिपोर्ट आने की कोई जानकारी नहीं है। वैसे बलात्कार के मामलों को महामहिम नारी अस्मिता से जोड़कर देखने की बजाए घृणित पुरूष की मानसिकता पर ज्यादा विचार करने की आवश्यकता है। क्योंकि यौन शोषण, उत्पीढ़न के मामलों में अपराधी सिर्फ पुरूष ही होता है, महिला नहीं। अतः यदि बलात्कार के मूल अर्थात घटना न होने की स्थिति पर पहुंचना है, तो हमें घृणित पुरूष मानसिकता को सुधारना होगा। सिर्फ यह कहकर कि कम-छोटे कपड़े पहनने से यौन उत्पीड़न को उकसाया जाता है, हम मामले की जड़ पर नहीं पहुंच पायेगें। संत कबीर का यह दोहा महत्वपूर्ण है ''बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय। जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय''। एक बात और नारी सम्मान को तार-तार होने पर यदि ''महामहिम'' का गुस्सा व्यक्त करना ही था, तो नवीनतम वीभत्स घटना का उल्लेख पहले किया जाना चाहिए था। तत्पश्चात ही दूसरी (कोलकाता) घटनाओं का उल्लेख किया जाना था। ''बदलापुर'' के बाद कोल्हापुर महाराष्ट्र में 10 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म कर हत्या कर दी गई थी जिसका उल्लेख पहले किया जाना चाहिए था। यह एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि यह वही कोलकाता है जिसे राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो ने तीन साल लगातार (2021 से 2023) सबसे ''सुरक्षित शहर'' के अवार्ड से नवाजा है, जहां सबसे कम संज्ञेय अपराध दर्ज किये गये।

मप्र जल संसाधन विभाग स्पोर्ट्स क्लब के प्रांतीय चुनाव संपन्न, राजधानी के मनीष बने प्रदेश अध्यक्ष

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

नर्मदापुरम.मध्य प्रदेश सिंचाई जल संसाधन विभाग स्पोर्ट्स क्लब के प्रांतीय अधिवेशन चुनाव भोपाल मे संपन्न हुए जिसमें नर्मदापुरम क्षेत्रीय अध्यक्ष बशारत खान एवं प्रभारी महेंद्र ओगले के नेतृत्व में नर्मदापुरम बैतूल छिंदवाड़ा हरदा तवा परियोजना क्लब के संरक्षक एवं आजीवन सदस्यों ने अपने अपने मताधिकार का उपयोग किया। प्रांतीय अध्यक्ष पद पर मनीष मांडलिक निर्विरोध निर्वाचित हुए वहीं वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सतीश अग्रवाल भोपाल ने अपने निकटतम प्रदीप कुमार जैन जबलपुर को पराजित किया तथा प्रांतीय अंकेक्षक के पद पर अवधेश भटनागर ग्वालियर ने विनोद नागर इंदौर को पराजित किया. निर्वाचित पदाधिकारी को नर्मदापुरम क्षेत्र की ओर से बधाई शुभकामनाएं दी गई इस अवसर पर नर्मदापुरम क्षेत्र से के आर भूमरकर क्षेत्रीय,सलाहकार शाहिद हुसैन, समन्वयक विनय पांडे,कैलाश सिंह राजपूत दीपक चौरे, एन एस बुंदेला,वासुदेव भुममरकर, बसु वारिवा, आर के कोसे, गोचरे जी, बीके पाठक ,अशोक शर्मा ,हेमंत अजनेरिया, विजय मसाने ,राकेश सिंह राजपूत, विक्रांत मकवाना, मनोज नागेश ने आदमकद माला पहनाकर प्रदेश पदाधिकारी का स्वागत किया।

विभाग प्रमुख द्वारा नियुक्त निर्वाचन अधिकारियों ने सफलतापूर्वक निर्वाचन संपन्न कराया। कार्यक्रम का संचालन स्पोर्ट्स क्लब के संस्थापक सदस्य अखिलेश श्रीवास्तव ने किया तथा आभार व्यक्त संस्थापक सदस्य मुईन उद्दीन कुरैशी ने किया. नर्मदापुरम के क्षेत्रीय अध्यक्ष बसारत खान ने मीडिया को बताया स्पोर्ट्स क्लब शासन द्वारा मान्यता प्रदेश का पहला क्लब है. जो 07/07/1988 में गठित हुआ था. क्लब जल संसाधन विभाग एवं नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के समस्त श्रेणियां के अधिकारी कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करता है। प्रतिवर्ष राज्यस्तरीय अंतर क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है. इस वर्ष 33 वीं खेल प्रतियोगिता माह दिसंबर 2024 में जबलपुर क्षेत्र में आयोजित होगी।

प्राचार्य डॉ.ओएन चौबे हुए सेवानिवृत्त, कॉलेज स्टॉफ ने विदाई दी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

नर्मदा महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ ओ एन चौबे के सेवानिवृत होने पर महाविद्यालय में विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक डॉ सीता शरण शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पंडित भवानी शंकर शर्मा पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक पंडित गिरजा शंकर शर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा विभाग की ओर से डॉ धीरेंद्र शुक्ला विशेष कर्तव्य अधिकारी , डॉ दिवा मिश्रा एवं डॉ अजय अग्रवाल भी उपस्थित रहे साथ ही एडिशनल डायरेक्टर मथुरा प्रसाद ने भी अपनी सहभागिता की द्य नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव भी विदाई समारोह में सम्मिलित हुई।प्राध्यापक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ आनंद शर्मा, उपाध्यक्ष डॉ एस डी द्विवेदी, डॉ कामिनी जैन प्राचार्य अग्रणी कालेज एवं विभिन्न महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ प्रदीप शर्मा , डॉ नीता चौबे, डॉ राकेश मेहता उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि डॉ शर्मा ने कहा की श्री चौबे ने अपने 10 वर्षों के प्राचार्य के कार्यकाल में बड़ी कुशलता से सभी छात्र वर्ग को संतुष्ट करते हुए महाविद्यालय के विकास में विशेष योगदान दिया । महाविद्यालय स्टाफ की ओर से डॉ कमल वाधवा डॉ एस सी हर्ने, डॉ संजय चौधरी ने उद्बोधन में श्री चौबे के कार्यकाल की विभिन्न स्मृतियां को याद किया ।महाविद्यालय में संचालित बी ए,एलएलबी पाठ्यक्रम श्री चौबे के प्रयास से ही संभव हो सका द्य ओएसडी डॉ शुक्ला ने श्री चौबे की प्रशासनिक कार्य प्रणाली एवं कार्य कुशलता की तारीफ करते हुए कहा कि श्री चौबे के अनुभव एवं रसायन शास्त्र विषय के उनके ज्ञान का उपयोग छात्र हित में करने के लिए उन्हें केंद्रीय अध्ययन मंडल में उनका स्थान यथावत रहेगा । इस विदाई समारोह में भूतपूर्व छात्र सेवानिवृत प्राचार्य डॉ एल शर्मा , एल एल दुबे ने भी अपने विचार रखेंद्य भूतपूर्व जन भागीदारी अध्यक्ष दिनेश तिवारी एवं बड़ी संख्या में प्रियजन एवं अतिथि उपस्थित रहे अंत में आभार प्रदर्शन वर्तमान प्राचार्य डॉ अमिता जोशी ने किया। इस पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर हंसा व्यास ने किया।

अग्रवाल भवन में एक किराना दुकान में की गई तालाबंदी

समाज ने दुकानदार के ताले तोड़कर अपने ताले जड़े

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

अग्रवाल भवन स्थित एक किराना दुकान में अग्रवाल समाज ने दुकानदार के ताले तोड़कर अपने ताले जड़ दिए। यह कदम दुकान में चलने वाली कथित असामाजिक गतिविधियों के चलते उठाया गया। समाज की नई कार्यकारिणी ने बड़ा निर्णय लेते हुये व्यापारी अजय अग्रवाल की किराना दुकान में अपने ताले लगा दिये। इस सबंध में तरुण अग्रवाल समाज के नवनियुक्त अध्यक्ष सुरेश गोयल ने बताया कि अग्रवाल भवन की एक दुकान मे व्यवसाई अजय अग्रवाल द्वारा किराने की दुकान संचालित की जा रही थी। उस दुकान में असामाजिक गतिविधियां होने की जानकारी समाज की कार्यकारिणी को मिली थी। इस मामले को लेकर पूरी कार्यकारिणी की बैठक हुई जिसमें इस विषय पर चर्चा हुई। कार्यकारिणी ने दुकान को समाज के कब्जे में लेने की बात पर निर्णय दिया। जिसके बाद दुकान में व्यवसायी अजय अग्रवाल के तालों को तोड़कर समाज ने अपने ताले दुकान में लगा दिये। अध्यक्ष गोयल ने बताया कि एक बात और सामाजिक बंधुओ ने कही थी कि किराना व्यवसाई अजय अग्रवाल का व्यवहार समाज के सदस्यों के प्रति ठीक नही है। इधर इस मामले में किराना व्यवसाई अजय अग्रवाल का कहना है कि हम इस दुकान में काबिज हैं। मैं और मेरी पत्नी वहां से किराना दुकान चलाते है। समाज के लोगों ने इस जगह पर अतिक्रमण किया है। समाज के कुछ लोगों को हमसे तकलीफ है इसलिए उन्होंने इस तरह के आरोप लगाकर ये कृत्य किया है। दुकानदार की गैरमौजूदगी में उसकी दुकान का ताला तोड़ना सही मायने में असामाजिक गतिविधि है। हमने सिटी थाने में इस संबंध में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग भी की है।

पिता की पुण्यतिथि पर मरीजों के लिए दी व्हीलचेयर

इटारसी, दोपहर मेट्रो।

कांग्रेस के खेल प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रामशंकर सोनकर ने आज अनूठी पहल की है, श्री सोनकर ने अपने पिता जी की बारामासी पुण्यतिथि पर मरीजों के लिए उपयोग में आने वाली व्हीलचेयर शासकीय श्यामा प्रसाद मुख़र्जी अस्पताल में अधीक्षक श्री चौधरी को दी है। इस दौरान सामजिक बंदु उपिस्थित रहे।

ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस उपसंभाग इटारसी उत्कृष्ट कार्यदक्षता के लिए मप्र में द्वितीय

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

एम.पी. ट्रांसको (मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) के इटारसी ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेन्स उप संभाग ने उत्कृष्ट कार्य दक्षता के लिए मध्य प्रदेश में द्वितीय स्थान हासिल करने का गौरव पाया है । मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्यालय जबलपुर में आयोजित एम.पी. ट्रांसको के मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोह में इटारसी को यह पुरस्कार प्रबंध संचालक इंजीनियर सुनील तिवारी एवं मुख्य अतिथि पूर्व मुख्य अभियंता के.के. मूर्ति ने प्रदान किया।

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी हर राष्ट्रीय पर्व पर प्रदेश के 42 ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेन्स के उपसंभागो में से तीन सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले उपसंभागो को उनके दक्षता प्रदर्शन के आधार पर शील्ड प्रदान कर पुरूस्कृत करती है। इटारसी उपसंभाग वर्ष 2023-24 में दक्षता प्रदर्शन (परफॉर्मेंस) के आधार पर पूरे मध्यप्रदेश में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन में द्वितीय स्थांन पर चयनित हुई। इटारसी उपसंभाग की ओर से प्रशस्ति पत्र और शील्ड मुख्य अभियंता संदीप गायकवाड, सहायक अभियंता आशुतोष राय आदि ने प्राप्त किया।

मेट्रो एंकर

इछावर न्यायालय में ई-सेवा केंद्र का किया लोकार्पण

पक्षकारों को त्वरित न्याय देना हमारी पहली प्राथमिकता : सत्र न्यायाधीश शर्मा

सीहोर , दोपहर मेट्रो। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा ने इछावर के न्यायालय परिसर में ई-सेवा केन्द्र का लोकार्पण किया। ई-सेवा केन्द्र के माध्यम से पक्षकारों को ई-कोर्ट सर्विसेस के अंतर्गत न्यायिक आदेशों व निर्णयों की प्रतियां तथा अन्य सेवाएं सरलता से प्राप्त हो सकेगी। 14 सितम्बर 2024 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण में अपेक्षित सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया

इस अवसर पर अधिवक्ता कक्ष इछावर में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री शर्मा ने कहा कि हम सभी को पूर्ण निष्ठा एवं तत्परता के साथ कार्य करते हुये यह सुनिश्चित करना चाहिए कि न्यायालय में आने वाले हर व्यक्ति को यथाशीघ्र लाभ प्राप्त हो । उन्होंने कहा कि पक्षकारों को त्वरित न्याय देना हमारी पहली प्राथमिकता है। इस अवसर पर जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री एमके वर्मा ने सभी से 14 सितम्बर 2024 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण में अपेक्षित सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री शर्मा द्वारा न्यायालय परिसर में अन्य न्यायाधीशों एवं अधिवक्ताओ के साथ पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम के दौरान इछावर की न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्रीमती प्राची समाधिया, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जीशान खान, अधिवक्तागण एवं न्यायालयीन कर्मचारीगण उपस्थित थे।

लोक मंगल समिति के तत्वाधान ने ग्रामीणों ने खेली लंहगी, प्रतियोगिता हुई सम्पन्न

लोक कलाएं व लोक संस्कृति ही सनातन की पहचान - विधायक

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

रविवार को लोकमंगल समिति के तत्वाधान में अनंत श्री गार्डन में विधानसभा स्तरीय बुंदेली लोकनृत्य लंहगी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। लोक नृत्य प्रतियोगिता के दौरान समिति की संरक्षक एवं क्षेत्र के विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि आज क्षेत्रीय लोक नृत्य लोकगायन एवं पुरानी खेल पद्धतियां धीरे-धीरे विलुप्त होते जा रही हैं। उन्होंने युवा पीढ़ी से इन लोक कलाओं को संरक्षण करने की अपील करते हुए कहाँ की यह देश युवाओ का देश है, आज देश यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चहुमुंखी विकास कर रहा है, लोक कलाओं और लोक संस्कृति को बढ़ावा मिल रहा है। इसके पूर्व सिरोंज लटेरी क्षेत्र के ग्रामीण अंचलो से पहुँची ग्रामीण नागरिकों एवं कलाकारों की उपस्थिति में लोकनृत्य लहँगी प्रतियोगिता की शुरुआत भगवान श्रीकृष्ण एवं पूर्वमंत्री स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर की गई। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए कार्यक्रम स्थल पर अलसबेरे से ही टीमों का आना प्रारम्भ हो गया था जिनका समिति के सदस्यों द्वारा पंजीयन कर प्राँगण में प्रवेश दिया जा रहा था।

सावन के महीने में ग्रामीण क्षेत्रों में खेला जाता है लहँगी नृत्य

लहँगी ग्रामीण क्षेत्रों में सावन के महीने में खेला जाने वाला लोकनृत्य होता है। यह नृत्य लोकगायन करते हुए देशी धपलो की थाप पर ग्रामीण हाथ मे डंडिया लेकर गोल घूमते हुए लय ताल मिलाकर नाचते हैं। पहले सावन के महीने में जब चारो तरफ हरियाली छाई रहती थी तब प्रसन्नता को व्यक्त करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में यह लहँगी नृत्य आयोजित किए जाते थे लेकिन आधुनिकता के साथ धीरे धीरे यह लोक कला विलुप्त होती जा रही है। लोकमंगल समिति के माध्यम से क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा ने पिछले अनेक वर्षो में लोककला को जीवित रखने और वर्तमान युवा पीढ़ी को इस कला से जोड़ने के लिए प्रतियोगिता आयोजित कराने का प्रयास किया है। आयोजन के दौरान स्वयं विधायक उमाकांत शर्मा भी लहँगी लोक गान तथा धपले की थाप पर लय ताल मिलाकर ग्रामीणों के साथ नृत्य करते दिखाई दिए।

11 टीमों ने लिया भाग

लोकमंगल समिति के द्वारा कराई गई लंहगी प्रतियोगिता में 11 टीमें शामिल हुई थीं तीन टीमों को समिति के द्वारा पुरस्कार भी प्रदान किए गए इसके लिए एक चनय समिति बनाई गई थी उसने इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों की प्रस्तुति पर नजर रखी उसके बाद अच्छी लहंगी का प्रदर्शन करने वाली टीमों को पुरस्कार के रूप में अलग-अलग इनाम राशि में दी गई है। जिसमें प्रथम पुरस्कार 25000 द्वितीय पुरुस्कार, 15000 और तृतीय पुरस्कार 10000 के साथ सभी टीमों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया, सभी टीमों ने उत्कृष्ट एवं श्रेष्ठ प्रदर्शन करके मौजूद लोगों को आनंदित भी किया बड़ी संख्या में लोग इनकी इस प्रदर्शन को देखने के लिए मौजूद थे काफी देर तक प्रतियोगिता चली टीमों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी जिसके कारण निर्णायक मंडल शुरुआत में निर्णय लेने में असहज नजर आए, बाद में कुछ मंथन के बाद उन्होंने प्रथम, द्वितीय, तृतीया पुरस्कारों का ऐलान किया। वही निर्णायक मंडल के सदस्य दिनेश चंद्र गर्ग ने कहाँ विलुप्त होती लोक कलाओं को संरक्षित करने और आम जनमानस के बीच लोक कलाओं को पुन: लोकप्रिय बनाने के लिए लिए जो प्रयास पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा के द्वारा किए गए थे आज भी वहां जीवित है।

आधे घंटे की बारिश में शहर की सड़क बनी तालाब, लंबे इंतजार के बाद जमकर बरसे बदरा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

पिछले एक सप्ताह से बारिश नहीं होने के कारण गर्मी के कारण लोगों की हालत खराब हो रही थी ।रविवार को दोपहर के बाद आसमान पर काली घटाओं के साथ तेज बारिश का दौर प्रारंभ हुआ तो लोगों के चेहरे खिल उठे साथ ही नगर पालिका प्रशासन की लापरवाही से दो-चार भी होना पड़ा शहर की व्यवस्थाओं की व्यवस्था की पोल आधे घंटे की बारिश में खुल गई नगर पालिका परिषद के द्वारा पानी निकासी के लिए उचित इंतजाम नहीं किए गए जब भी तेज बरसात होती है तब ऐसे ही हालत शहर में बनते हैं। इसकी जानकारी होने के बाद भी इंतजाम नहीं किया इस बार अच्छी बारिश नहीं होने के कारण समस्या नहीं हो रही है, कई दिनों के बाद तेज बारिश गिरने से ऐसे हालात शहर में बने। इस वजह से थोड़ी सी देर की बारिश में ही सड़क है तालाब में तब्दील हो गई मुख्य बाजार में भी घुटनों घुटनों से ऊपर पानी दिखाई दे रहा था कले बाजार ,नयापुरा कस्टम पथ सहित शहर की निचली बस्तियों के हल तों और भी ज्यादा हालत खराब थे। आधे घंटे तक ही तेज बारिश हुई इस बारिश में लोगों की परेशानियां बढ़ गई क्योंकि निचली बस्तियों में रहने वाले लोगों के घरों में भी पानी प्रवेश कर गए इस वजह से उन्हें कठिनाइयों का सामना भी करना पड़ा बारिश थमने के बाद

लोग घरों से पानी निकालती हो नजर आए दूसरी ओर सड़कों पर पानी अधिक होने के कारण चार पहिया वाहन बाहर निकलने में भी परेशानी हो रही थी दो पहिया वाहन तो निकल ही नहीं पा रहे थे। दूसरी ओर लोगों ने जोरदार बारिश का स्वागत भी किया गर्मी से राहत भी मिल गई लंबे इंतजार के बाद इस तरह की बारिश नगर में हुई है वैसे ही पानी की कमी के कारण शहर का डेम भी खाली पड़ा हुआ है उसके जलस्तर में भी बारिश से वृद्धि हुई।

विश्व हिंदू परिषद ने 60 वर्ष पूर्ण होने पर किया आयोजन संगठित और जागरूक होने पर दिया जोर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

रविवार को विश्व हिंदू परिषद के 60 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रांत सह संयोजक लोकेंद्र मालवीय ने कार्यकर्ताओं को विश्व हिंदू परिषद की स्थापना दिवस के बारे में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बताया कि भगवान श्री कृष्ण जन्माष्टमी के दिन विश्व हिंदू परिषद की स्थापना मुंबई के सांदीपनि आश्रम में हुई थी चिंतानंद स्वामी सिख समाज से तारा सिंह और समस्त हिंदू समाज से ऋषि मुनियों को एक साथ बैठ कर की गई थी विश्व हिंदू परिषद पूरे भारत में हिंदू हितों की चिंता करने वाला विश्व का एकमात्र ऐसा संगठन है जो हमेशा खड़ा रहता है चाहे वह हिंदू मान बिंदु की बात हो चाहे राम जन्मभूमि की बात हो चाहे गौ माता की बात हो जब-जब हिंदू समाज पर विपत्ति आई है विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल हमेशा डटकर सामना करता है ।देशद्रोहियों को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तत्पर खड़ा रहता है हम ऐसे संगठन के कार्यकर्ता है जब कोई हिंदू समाज को चुनौती देगा हम उन्हें मुंहतोड़ जवाब देने का काम करते हैं । विभाग सामाजिक समरसता प्रमुख राकेश सक्सेना ने कार्यकर्ताओं को समरसता का भाव बताया हमें जातीयो में नहीं वटना चाहिए हमें सबको संगठित रहना चाहिए हिंदू हिंदू भाई-भाई का नारा देकर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया बजरंग दल जिला संयोजक जगदीश शाक्य ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बताया कि देश में हिंदुओं को तोड़ने के लिए बहुत सारी विदेशी ताकते लगी हुई है हम किसी की बातों में आकर हमें ऐसा कोई काम नहीं करना चाहिए जो देश विरोधी हो हिंदू विरोधी हो हम सब एक हैं हमें सबको एक होकर रहना चाहिए और ज्यादा से ज्यादा हमें बजरंग दल से लोग जोड़ने चाहिए बजरंग दल एक ऐसा संगठन है जो हिंदुओं की हमेशा चिंता करने वाला है जटाशंकर के महंत बालक दास जी ने सभी कार्यकर्ताओं को सनातन धर्म से जुड़े रहने और सुबह उठकर पूजा पाठ करने का एक संदेश दिया बैठक का संचालन तुलसी नारायण द्वारा किया गया इसी दौरान अर्जुन शाक्य , प्रदीप राठौर , विनोद शर्मा , अनिल राठौड़ रमेश जैन मुकेश शर्मा , रोहित यादव नितेश गोस्वामी कपिल खत्री ज्ञान सिंह कुशवाहा आदि मौजूद थे।

सोयाबीन चोरी करने वाला चढ़ा पुलिस के हत्थे

सिरोंज। पुलिस ने वेयरहाउस से सोयाबीन की चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया चोरी का खुलासा करते हुए एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी में बताया कि 29 अगस्त को जगदीश दांगी निवासी भवानी नगर द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि केशर वेयर हाउस के अंदर रखी 50- 50 किलो की 7 सोयाबीन की कट्टीयाँ किसी चोर द्वारा चोरी की गई है। फरियादी कि रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 425/24 धारा 331(4),305 क्क्हस्र के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया । वरिष्ट अधिकारियों के निर्देशन में पुलिस द्वारा विवेचना की सउनि विनोद रघुवंशी को मुखविर द्वारा सूचना प्राप्त हुई है कि आरोपी भूरा उर्फ संजू पिता भूरा अहिरवार सिरोंज थाना को गिरफ्तार किया गया । आरोपी से सोयाबीन की 07 बोरिया जप्त की । उक्त आरोपी से पूछताछ करने पर उसने केशर वेयर हाउस से अपने दो अन्य साथियों के साथ सोयाबीन चोरी करना स्वीकार किया ।महत्वपूर्ण भूमिका क्क निरी. संदीप कुमार पवार , सउनि विनोद रघुवंशी , प्र.आर. अमित मिश्रा आर. 8 सुनील मल्होत्रा , आर. संतोष रघुवंशी की रही।

लिंक को रोड पर अंधेरा होने के कारण वाहन चालकों को होती परेशानी, नहीं लगी लाइटें

सिरोंज। शहर की मुख्य सड़कों में सभी जगह नगर पालिका परिषद के द्वारा लाइट नहीं लगवाई गई कहीं जगह लाइट लगी है तो वह जलती नहीं है इनकी देखरेख सही गुणवत्ता वाली लाइट नहीं लगाने के कारण जरा में खराब हो जाती है इन पर नगर पालिका परिषद लाखों रुपए की राशि हर महीने खर्च कर रही इनका फायदा नहीं हो रहा है। मेन सड़क पर अंधेरा नहीं होने से

वाहन चालकों को भी परेशानी होती है। सबसे ज्यादा परेशानी लिंक रोड पर होती है इस मार्ग पर नगर पालिका के द्वारा लाइट नहीं लगवाई गई है। रात्रि 8 बजे के बाद जैसे ही व्यापारियों की दुकानें बंद होती है तो इस मार्ग पर अंधेरा छा जाता है जब तक दुकानें खुली रहती है तब तक तो उजाला रहता है देर रात में तो और भी ज्यादा हालत खराब हो जाते हैं,इस वजह से यहां पर कई बार दुर्घटनाएं हो जाती है। क्योंकि मार्ग पर जगह जगह मवेशी बैठे रहते हैं वह वाहन चालकों दिखाई नहीं देते दुर्घटना भी हो रही है, इसकी जानकारी होने के बाद भी जनप्रतिनिधियों से लेकर नगर पालिका प्रशासन के द्वारा इस समस्या के समाधान के लिए कदम नहीं उठाया जा रहा है।

मेट्रो एंकर

एक साल में तीन करोड़ दीदियों को लखपति बनाने का लक्ष्य

गरीबी मुक्त गांव बनाने में कोई कोरकसर नहीं छोड़ी जाएगी: केन्द्रीय मंत्री शिवराज

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

केंद्रीय मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास शिवराज सिंह चौहान आज विदिशा के रविंद्र नाथ टैगोर सांस्कृतिक (ऑडिटोरियम) भवन में आयोजित लखपति दीदी सम्मेलन कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में पशुपालन एवं डेयरी विभाग के स्वतंत्र प्रभार (राज्य मंत्री) एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम विभाग के मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल भी शामिल हुए।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने लखपति दीदियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा देश में तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने के लक्ष्य पर फोकस किया है। विभिन्न बिंदुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गरीबी से मुक्त गांव बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। हर एक दीदी के चेहरे पर मुस्कान हो यही मेरा सपना है। गांव-गांव का संकल्प रहेगा गरीबी मुक्त गांव बनाया जाए। प्रधानमंत्री जी ने देश में 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस दिशा में प्रधानमंत्री जी द्वारा तीव्र गति से कार्य किया जा रहा है अब तक देश में एक करोड़ 11 लाख से अधिक लखपति दीदियां बन गई हैं। दो करोड़ लखपति दीदियां और बनाई जाएंगी। इसके लिए सभी प्रयास भारत सरकार कर रही है। इसके अलावा उन्होंने शासन की अन्य महत्वाकांक्षी योजनाओं पर भी विस्तृत प्रकाश डाला।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि गांव का विकास, बहनों का कल्याण और किसानों का उद्धार हो इस दिशा में भारत सरकार कार्य कर रही है, महिलाओं की आर्थिक उन्नति से ही देश आगे बढ़ेगा। आज के दौर में राजनीतिक क्षेत्र में भी महिलाएं पीछे नहीं है कई महिलाएं राजनीति से जुड़कर सरपंच से लेकर नगर पालिका अध्यक्ष, जनपद पंचायत अध्यक्ष बन गई है जो बड़े हर्ष का विषय है। आगामी निर्वाचनों में यही महिलाएं विधायक भी बनेंगी। पूर्व के समय में महिलाएं सिर्फ चूल्हा-चैका ही संभालती थी लेकिन आज के दौर में महिलाएं आर्थिक उन्नति कर लखपति दीदी बन रही हैं और अपने घर परिवार हर क्षेत्र में महिलाएं आगे बढ़ रही हैं।

कार्यक्रम को पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम विभाग के मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल एवं विदिशा विधायक श्री मुकेश टण्डन ने भी शासन की विभिन्न महत्वकांक्षी योजनाओं तथा लखपति दीदी बनने की दिशा में केन्द्र और प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यो पर विस्तृत प्रकाश डाला। इसके पहले कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती जी के चित्र के साथ दीप प्रज्वलन कन्या पूजन के साथ हुआ। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चैहान सहित अन्य अतिथियों ने स्व सहायता समूह की महिला सदस्यों को हित लाभ का वितरण भी किया।

प्रदर्शनी का अवलोकन

केन्द्रीय मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास श्री शिवराज सिंह चौहान, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के स्वतंत्र प्रभार (राज्य मंत्री) एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन पटेल एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम विभाग के मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने ऑडिटोरियम भवन परिसर में स्व सहायता समूह द्वारा निर्मित उत्पाद प्रदर्शनी का अवलोकन किया। महिलाएं स्व सहायता समूह से जुड़कर किस तरह लखपति दीदी बनीं और लखपति दीदी बनने का यह सफर कैसा रहा यह सब अतिथियों ने महिलाओं से संवाद कर जाना। इस दौरान स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा विभिन्न तरह के उत्पादों पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई थी।

विदिशा का विकसित स्वरूप पर सुझाव दें

विदिशा । केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विदिशा में विकास कार्यो की समीक्षा बैठक में कहा कि विदिशा का विकसित स्वरूप राष्ट्रीय स्तर पर उभरें ऐसे कार्यो का विभागवार वर्कआउट तैयार किया जाए। अतिमहत्वपूर्ण सुझावों को भी शामिल किया जाएं। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार कक्ष में आयोजित इस बैठक में पशुपालन एवं डेयरी विभाग स्वतंत्र प्रभार (राज्य मंत्री) एवं जिले के प्रभारी मंत्री लखन पटेल, कुरवाई विधायक हरिसिंह सप्रे, बासौदा विधायक हरिसिंह रघुवंशी, शमशाबाद विधायक सूर्यप्रकाश मीणा, विदिशा विधायक मुकेश टण्डन के अलावा जनपदो व निकायो के अध्यक्ष समेत अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैडमिंटन में सुहास और नितेश फाइनल खेलेंगे

पैरालिंपिक: निषाद ने हाई जंप में सिल्वर जीता, प्रीतिपाल को 200 मीटर में ब्रॉन्ज

पेरिस. एजेंसी

पेरिस पैरालिंपिक के चौथे दिन देर रात भारत ने 2 मेडल जीत लिए। निषाद कुमार ने हाई जंप इवेंट में देर रात एक बजे भारत को सिल्वर मेडल दिलाया। उन्होंने 2.04 मीटर के सीजन बेस्ट जंप के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। उनसे पहले प्रीति पाल ने विमेंस की 200 मीटर रेस में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। रविवार को भारत से बैडमिंटन मेंस के इंडिविजुअल इवेंट में सुहास यथिराज और नितेश कुमार ने फाइनल में जगह बना ली। वहीं विमेंस इंडिविजुअल में मनीषा रामदास और नित्या श्रीसिवान ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। कंपाउंड आर्चरी में राकेश कुमार ब्रॉन्ज मेडल मैच हार गए। उनसे पहले 10 मीटर मिक्स्ड एयर राइफल में अवनी लेखरा और सिद्धार्थ बाबू क्वालिफिकेशन राउंड से बाहर हो गए।

भारत को अब तक 7 मेडल

पेरिस पैरालिंपिक में भारत को चौथे दिन 2 मेडल मिले। निषाद कुमार ने मेंस हाई जंप की टी-47 कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता। वहीं, प्रीति पाल ने 200 मीटर रेस में ब्रॉन्ज जीतकर छठा मेडल दिलाया। उन्होंने 100 मीटर में भी ब्रॉन्ज ही जीता था। भारत ने अब तक 7 मेडल जीत लिए हैं। शूटिंग में 4 मेडल मिले, अवनी लेखरा ने एक गोल्ड मेडल जीता था। मनीष नरवाल ने सिल्वर दिलाया, जबकि मोना अग्रवाल और रुबिना फ्रांसिस ने शूटिंग में एक-एक ब्रॉन्ज जीता।

राकेश कुमार ब्रॉन्ज मेडल मैच हारे

कंपाउंड आर्चरी के इंडिविजुअल इवेंट में भारत के राकेश कुमार ब्रॉन्ज मेडल मैच हार गए। उन्हें चीन के जिहाओ ही ने 147-146 के स्कोर से हरा दिया। राकेश ने शुरुआती 3 सेट में बढ़त बनाए रखी, लेकिन आखिर तक इसे कायम नहीं रख सके। सेमीफाइनल में भी राकेश को चीनी आर्चर से हार का सामना करना पड़ा था। उन्हें जिनलियांग आई ने 145-143 के स्कोर से हराया। राकेश ब्रॉन्ज मेडल मैच की परफॉर्मेंस अगर सेमीफाइनल में करते तो फाइनल में पहुंच सकते थे।

नितेश कुमार बैडमिंटन फाइनल में पहुंचे

SLx कैटेगरी के बैडमिंटन मेंस सेमीफाइनल में नितेश कुमार ने जापान के डाइसुके फुजीहारा को हराया। नितेश ने पहला गेम 21-16 और दूसरा गेम 21-12 से जीतकर फाइनल में जगह बनाई। नितेश नंबर-1 रैंक प्लेयर हैं और उनका फाइनल ब्रिटेन के डेनियल बेथेल से होगा। बेथेल नंबर-2 रैंक प्लेयर हैं।

शटलर सुहास यथिराज भी फाइनल में

बैडमिंटन मेंस की SLx कैटेगरी में सुहास यथिराज ने फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने सेमीफाइनल में भारत के ही सुकांत कदम को हराया। सुहास ने पहला गेम 21-17 और दूसरा गेम 21-12 से जीता। सुकांत अब ब्रॉन्ज मेडल मैच में इंडोनेशिया के फेडी सेतियावान से भिड़ेंगे। जबकि सुहास का फाइनल फ्रांस के लुकास माजुर से होगा।

दूसरी पारी में 192 बॉल पर 102 रन बनाए

अजिंक्य रहाणे ने काउंटी क्रिकेट में लगाया शतक

कार्डिफ. एजेंसी

भारतीय बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने काउंटी क्रिकेट में शतकीय पारी खेली। उन्होंने ग्लमॉर्गन के खिलाफ दूसरी पारी में 192 बॉल पर 102 रन बनाए। 36 साल के रहाणे की पारी के दम पर लेस्टरशायर की टीम मैच ड्रॉ करने में कामयाब रही। एक समय टीम पर पारी की हार का खतरा मंडरा रहा था। कार्डिफ में रहाणे की टीम लेस्टरशायर पहली पारी में 251 रन पर ऑलआउट हो गई थी। फिर टॉस जीतकर गेंदबाजी कर रही ग्लमॉर्गन ने अपनी पहली पारी 550/9 पर घोषित की थी। लेस्टरशायर ने दूसरी पारी में 6 विकेट पर 369 रन बनाए और मैच ड्रॉ हो गया। लेस्टरशायर की टीम पर दूसरी पारी में शुरुआती झटकों के कारण पारी की हार का खतरा था। टीम ने 74 रन पर 3 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद रहाणे ने पीटर हैंड्सकॉम्ब के साथ चौथे विकेट के लिए 303 बॉल पर 183 रन की साझेदारी की। रहाणे ने 192 गेंदों पर 102 रन बनाए। उनकी इस पारी ने ग्लमॉर्गन की बढ़त को काफी कम कर दिया।

रहाणे ने पहली पारी में बनाए थे 42 रन

रहाणे ने पहली पारी में 42 रनों की पारी खेली थी। इस पारी के सहारे टीम 251 रन

तक पहुंचने में कामयाब रही, लेकिन जवाब में ग्लमॉर्गन की टीम ने कोलिन इंग्रम की 253 रनों की पारी की मदद से 550 रनों का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया और 299 रनों की बढ़त ले ली। रहाणे टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं उन्हें दलीप ट्रॉफी 2024 के लिए भी नहीं चुना गया है। उन्होंने भारत के लिए जुलाई 2023 में आखिरी मैच खेला था। टीम इंडिया में वापसी की कोशिश कर रहे रहाणे फर्सट क्लास क्रिकेट में 13 हजार से ज्यादा रन बना चुके हैं।

मेट्रो बाजार

भारत में मार्च 2025 तक 2 लाख नौकरी देगी एपल, इनमें महिलाएं भी शामिल

मुंबई. एजेंसी

आईफोन बनाने वाली कंपनी एपल भारत में अगले साल मार्च तक 2 लाख डायरेक्ट जॉब देगी। इनमें से 70 फीसदी जॉब महिलाओं के लिए होंगे। एपल और भारत में उसके सप्लायर्स ने ये आंकड़े केंद्र सरकार को दिए हैं। दरअसल, एपल प्रोडक्शन के मामले में चीन पर निर्भरता कम कर भारत पर फोकस करना चाहता है। एपल के कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर्स फॉक्सकॉन, विस्ट्रॉन (अब टाटा

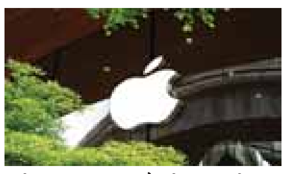

इलेक्ट्रॉनिक्स) और पेगाट्रॉन ने भारत में पहले 80,872 लोगों को सीधी नौकरियां दी हुई हैं। इसके अलावा, टाटा ग्रुप, सैलकॉम्प, मदरसन, फॉक्सलिंक (तमिलनाडु), सनवोडा (उत्तर प्रदेश), एटीएल (हरियाणा) और जेबिल (महाराष्ट्र) जैसे सप्लायर्स ने मिलकर करीब 84,000 डायरेक्ट जॉब पैदा किए हैं। वेंडर्स और सप्लायर्स ने 2020 से अब तक 1.65 लाख नौकरियां दीं 2020 में स्मार्टफोन (प्रोडक्शन लिंक्ड इनिशिएटिव स्कीम) के बाद से एपल के वेंडर्स-सप्लायर्स ने भारत में 1.65 लाख सीधी नौकरियां पैदा की हैं। एपल भारत में अपनी प्रोडक्शन कैपेसिटी लगातार बढ़ा रही है। सरकार का अनुमान है कि इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री में हर डायरेक्ट जॉब से तीन एक्स्ट्रा रोजगार पैदा होते हैं। इसका मतलब है कि एपल इकोसिस्टम से मार्च के अंत तक 5 से 6 लाख रोजगार पैदा हो सकते हैं। एपल ने 2017 में आईफोन स्ध्न के साथ भारत में आईफोन्स की मैन्युफैक्चरिंग शुरू की थी। इसके तीन इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सर्विस पार्टनर-फॉक्सकॉन, विस्ट्रॉन और पेगाट्रॉन है। आईफोन स्ध्न के बाद भारत में आईफोन 11, आईफोन 12 और आईफोन 13 की मैन्युफैक्चरिंग भी की गई।

भारतीय फैमिली ऑफिस गोल्ड- म्यूचअल फंड में बढ़ा रहे निवेश

मुंबई. एजेंसी

भारतीय फैमिली ऑफिसों के बीच अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड (एआइएफ) की लोकप्रियता बढ़ रही है। ये फंड्स उन्हें अनलिस्टेड कंपनियों और स्टार्टअप्स में निवेश करने का मौका देते हैं। सुंदरम अल्टरनेटिव्स की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय फैमिली ऑफिस एआइएफ के साथ म्यूचुअल फंड्स और गोल्ड में निवेश बढ़ा रहे हैं, जबकि रियल एस्टेट और फिक्स्ड डिपॉजिट में अपना निवेश घटा रहे हैं।

क्या है एआइएफ: अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड ऐसे निवेश साधन हैं जो निवेशकों से पूंजी जुटाकर उन परिसंपत्तियों में निवेश करते हैं जो पारंपरिक रूप से शेयर या बांड जैसे सिक्योरिटीज नहीं मानी जाती हैं। जैसे कि प्राइवेट इक्विटी, वेंचर कैपिटल, हेज फंड्स, और कमोडिटीज।

बकाया स्टॉक से कालीमिर्च की कीमतों पर बना दबाव

इंदौर. एजेंसी

घरेलू बाजार में बकाया माल का अधिक स्टॉक मौजूद रहने तथा आयातकों द्वारा कम भाव पर उत्पाद की बिक्री किए जाने से स्वदेशी उत्पादकों को भी दाम-घटाकर अपने स्टॉक की बिक्री करने विवश होना पड़ रहा है जिससे कालीमिर्च की कीमतों पर दबाव पड़ रहा है। पिछले 3 सप्ताहों के अंदर महत्वपूर्ण मसाले के मूल्य में 14 रु. प्रति किलो की गिरावट आ चुकी है। कोच्चि के टर्मिनल मार्केट में कालीमिर्च का भाव गार्बल्ड श्रेणी के लिय घटकर 666 रुपए प्रति किलो व अन गार्बल्ड किस्म के लिए गिरकर 646 रुपए प्रतिकिलो पर आ गया है। टर्मिनल मार्केट में औसतन 20-25 टन कालीमिर्च की दैनिक आवक हो रही है। श्रीलंका से भारी मात्रा में कालीमिर्च का आयात हो रहा है। जुलाई में ही विभिन्न देशों से कुल 5085 टन कालीमिर्च मंगाई जिसमें अकेले श्रीलंका से 4400 टन का आयात शामिल था। बाजार में इस आयातित माल की भारी बिक्री का दबाव देखा जा रहा है।

महिला एकल: कोको गॉफ व सबालेंका का सफर जारी

न्यूयॉर्क. एजेंसी

साल के चौथे और आखिरी ग्रैंड स्लेम यूएस ओपन में शनिवार को सबसे बड़ा उलटफेर हुआ। पुरुष एकल के तीसरे दौर में ऑस्ट्रेलिया के 28वीं वरीय एलेक्सी पोपिरिन ने मौजूदा चैंपियन और दूसरी वरीय नोवाक जोकोविच को 6-4, 6-4, 2-6, 6-4 से शिकस्त देकर बाहर कर दिया। एक दिन पहले ही तीसरी वरीय स्पेनिश खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज को भी हार का सामना करना पड़ा था। खास बात यह है कि हाल में समाप्त हुए पेरिस ओलंपिक खेलों में जोकोविच ने स्वर्ण और अल्कारेज ने रजत पदक जीता था, लेकिन यूएस ओपन में दोनों को जल्द हारकर बाहर होना पड़ा।

2002 के बाद बिग थ्री का दबदबा टूटा: स्विट्जरलैंड के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी रोजर फेडरर के अलावा नोवाक जोकोविच और स्पेन के राफेल नडाल को बिग थ्री माना जाता है, जिनका पिछले 22 सालों से टेनिस में दबदबा रहा है। लेकिन 2002 के बाद पहली बार ऐसा होगा, जब एक साल में बिग थ्री का कोई सदस्य सीजन में कोई ग्रैंड स्लेम नहीं जीत सका। महिला वर्ग में मौजूदा चैंपियन और तीसरी वरीय अमरीकी खिलाड़ी कोको गॉफ ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चौथे राउंड में प्रवेश किया। उन्होंने यूक्रेन की खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना को 3-6, 6-3, 6-3 से हराया। वहीं, बेलारूस की दूसरी वरीय खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने भी पहला सेट हारने के बाद वापसी करते हुए चौथे राउंड में जगह बनाई। सबालेंका ने रूस की कैटरीना एलेक्जेंद्रोवा को 2-6, 6-1, 6-2 से हराया।

भांबरी-ओलिवेटी की जोड़ी तीसरे दौर में

भारत के यूकी भांबरी ने अपने फ्रांसीसी जोड़ीदार अलबानो ओलिवेटी संग शानदार प्रदर्शन करते हुए यूएस ओपन पुरुष युगल के तीसरे दौर में प्रवेश किया। भारतीय-फ्रांसीसी जोड़ी ने ऑस्टिन क्राजिसेक और जीन जूलियन रोजर की अमरीकी-डच जोड़ी को दूसरे दौर में 4-6, 6-3, 7-5 से हराया। वहीं भारत के एन श्रीराम बालाजी और उनके अर्जेंटीना के जोड़ीदार गुइडो आंद्रेओजी दूसरे दौर में न्यूजीलैंड के माइकल वीनस व ग्रेट ब्रिटेन के नील स्कूपस्की से 6-7, 4-6 से हारकर बाहर हो गए।

पैरालंपिक खेल : टोक्यो पैरालंपिक में सातवें स्थान रहीं थी

मप्र की रुबिना ने एयर पिस्टल एसएच-1 स्पर्धा में जीता कांस्य

पेरिस. एजेंसी

भारतीय महिला शूटर रुबिना फ्रांसिस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां खेले जा रहे पेरिस पैरालंपिक खेलों की 10मीटर एयर पिस्टल एसएच-1 स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। यह भारत का पेरिस ओलंपिक खेलों की निशानेबाजी स्पर्धा में कुल चौथा पदक है। रुबिना के लिए हालांकि पदक जीतने का सफर आसान नहीं रहा। टोक्यो पैरालंपिक में रुबिना इस स्पर्धा के फाइनल में पहुंचकर पदक जीतने से चूक गई थी व 7वें स्थान पर रही थीं, लेकिन इस बार उन्होंने पदक जीतने का सपना पूरा किया।

बचपन में पोलियो के कारण दोनों पैर हुए लकवाग्रस्त: 25 वर्षीय रुबिना का बचपन बेहद कठिनाइयों में बीता। छोटी उम्र में उन्हें पोलियो हुआ और दोनों पैरों में लकवा मार गया। इलाज कराने के बावजूद पैर पूरी तरह से सही नहीं हो सकीं। उनके पैरों में 40 फीसदी विकलांगता है। रुबिना ने कई और खेलों में भी हाथ आजमाया लेकिन आखिर में उन्होंने निशानेबाजी में ही करियर बनाने का फैसला किया।

शीतल देवी एक अंक से हारकर बाहर, सरिता भी हारीं: तीरंदाज शीतल देवी महिलाओं की कंपाउंड आर्चरी स्पर्धा के प्री-क्वार्टरफाइनल में टोक्यो पैरालंपिक की रजत पदक विजेता मारियाना जुनेजी से सिर्फ एक अंक से हारकर बाहर हो गई। चिली की तीरंदाज मारियाना ने शीतल को 138-137 अंकों से हराया।

अंडर-19 टीम में अमान और सोहम को मिली कप्तानी

नई दिल्ली. दोपहर मेट्रो

उत्तर प्रदेश के बल्लेबाज मोहम्मद अमान को 50 ओवर की टीम का कप्तान बनाया गया है। वहीं, मध्य प्रदेश के सोहम पटवर्धन को चार दिवसीय मैचों के लिए कप्तानी दी गई है। भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमों के बीच 21, 23 और 26 सितंबर को पुडुचेरी में वनडे मैच खेले जाएंगे। वहीं, 30 सितंबर और सात अक्टूबर को चेन्नई में चार दिवसीय मैच होंगे। समित यदि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो उन्हें आगामी सैयद मुश्ताक अली टी-20 के लिए कर्नाटक की टीम में जगह मिल सकती है। एक रिपोर्ट के तहत, समित का नाम आइपीएल 2025 के लिए होने वाली नीलामी सूची में भी शामिल हो सकता है। वहीं महान बल्लेबाज और भारतीय टीम के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ के बेटे समित को ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 टीम के खिलाफ होने वाली आगामी सीरीज के लिए भारत की अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम तीन वनडे और दो चार दिवसीय मैचों की सीरीज खेलने के लिए भारत दौरे पर आएगी। बीसीसीआइ ने शनिवार को 21 सितंबर से शुरू होने वाली इस सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा की। 18 वर्षीय समित को दोनों ही टीमों में जगह दी गई है। समित मध्यक्रम के बल्लेबाज हैं। उनका डिफेंस काफी मजबूत है और वह तेजी से भी रन बना सकते हैं।

मनोरंजन — बॉलीवुड का कोना

'रहना है तेरे दिल में' की असफलता पर टूट गए थे दीया-माधवन, दोनों ने ताजा कीं पुरानी यादें

'रहना है तेरे दिल में' 23 साल बाद सिनेमाघरों में फिर से रिलीज हुई है। इस फिल्म से दीया मिर्जा और आर माधवन ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। हालांकि, रिलीज होने के बाद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करने में असफल रही थी। हालांकि, 23 साल बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होने के बावजूद फिल्म को दर्शक मिल रहे हैं। फिल्म के बड़े पर्दे पर फिर से रिलीज होने के मौके पर दीया मिर्जा और आर माधवन ने इंस्टाग्राम लाइव पर बातचीत की। इस दौरान दीया ने बताया कि जब फिल्म ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया तो उनका दिल टूट गया था। उन्होंने यह भी याद किया कि कैसे माधवन ने भविष्यवाणी की थी कि फिल्म दर्शकों को पसंद आएगी और शुरुआती असफलता के बावजूद यह कैसे सच साबित हुई। इंस्टाग्राम लाइव के दौरान दीया मिर्जा ने याद किया, हम 14-18 घंटों तक एक जगह से दूसरी जगह यात्रा कर रहे थे, लगातार एक जगह से दूसरी जगह जा रहे थे। हम अक्सर फ्लाइट में अपनी नींद पूरी कर लेते थे। फिल्म की शूटिंग भी इसी तरह हुई थी- हमने दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया और मुंबई में शूटिंग की थी। फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा भाग दौर खत्म होने से पहले ही कर दी गई थी। इसके

बाद उन्होंने कहा, हमें उस पागलपन के बीच पांच मिनट की शांति मिली थी और आपने मुझसे कहा था कि यह एक बहुत ही खास फिल्म है और यह वास्तव में दर्शकों से जुड़ेगी। मैंने कहा था कि मुझे उम्मीद है। फिर फिल्म रिलीज हुई और लोग वास्तव में इसे देखने के लिए सिनेमाघरों में नहीं गए। इसने हमें तोड़ दिया। इसने हमारे दिलों को इतना तोड़ दिया, क्योंकि इसमें बहुत अधिक प्रत्याशा, बहुत अधिक उम्मीदें थीं। और हमने बहुत मेहनत की थी। दीया ने भावुक होते हुए कहा, लेकिन आप सही कह रहे थे मैडी। हो सकता है कि लोग इसे सिनेमाघरों तक न ले जा सकें, लेकिन उन्होंने वर्षों से इसके लिए बार-बार समय निकाला है और इसे बहुत प्यार दिया है। माधवन ने कहा, कई बार ऐसा होता है कि हमें लगता है कि हमारी कमी क्या थी।

फिल्म 'शुभ मंगल सावधान' को हुए सात साल पूरे

आज ही के दिन सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म शुभ मंगल सावधान को रिलीज हुए पूरे सात साल हो चुके हैं। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और भूमि पेडनेकर ने मुख्य भूमिका निभाई थी। वहीं आयुष्मान खुराना और भूमि पेडनेकर ने शुभ मंगल सावधान के सात साल पूरे होने का जश्न मनाया और अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक मजेदार पोस्ट साझा किया है। फिल्म ने एक संवेदनशील विषय पर अपने नए दृष्टिकोण के साथ भारतीय फिल्म उद्योग में अपनी छाप छोड़ी थी। आयुष्मान खुराना और भूमि पेडनेकर अभिनीत इस कॉमेडी-ड्रामा फिल्म अलग मुद्दे को लेकर सामने आई। बता दें यह तमिल फिल्म 'कल्याण समयाल साधम' की रीमेक है। अब इस फिल्म की रिलीज के सात साल पुरे होने पर आयुष्मान खुराना और भूमि पेडनेकर ने सोशल मीडिया पर इसका जश्न मनाया और साथ ही मजेदार पोस्ट भी साझा किया। आयुष्मान खुराना ने कुछ ही देर पहले अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर फिल्म का एक दिलचस्प वीडियो क्लिप साझा की है, जिसने प्रशंसकों के बीच फिल्म की सफलता की यादें ताजा कर दी है। आयुष्मान ने फिल्म के वीडियो क्लिप के साथ कैप्शन में लिखा, शुभ मंगल सावधान के 7 साल पूरे। इसके साथ ही आयुष्मान ने लाल रंग का हार्ट इमोजी भी बनाया। प्रशंसक भी एक्टर की इस पोस्ट पर लगातार अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

फिल्म 'शोले' की रीमेक में ट्रिपल रोल निभाना चाहेंगे सलमान, 'दीवार' की भी रीमेक करने की इच्छा जताई

सलमान खान ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान 'शोले' और 'दीवार' की रीमेक बनाने की इच्छा जताई है। फराह खान के साथ बातचीत के दौरान सलमान खान ने कहा कि वो फिल्म 'शोले' में ट्रिपल भूमिका निभाना चाहते हैं। पिछले दिनों डॉक्यूमेंट्री सीरीज 'एंग्री यंग मेन' की रिलीज को लेकर सलमान खान काफी सुर्खियां बटोर रहे थे। एक्टर ने सोशल मीडिया पर सलीम-जावेद की डॉक्यूमेंट्री सीरीज का प्रमोशनल वीडियो को शेयर किया है। इस वीडियो में फराह खान सलमान खान से सवाल पूछती नजर आ रही हैं। फराह खान ने सलमान खान से पूछा कि अगर उन्हें सलीम-जावेद की किसी फिल्म का रीमेक बनाना होगा तो वो किस फिल्म का बनाएंगे? इसपर सलमान खान ने अमिताभ बच्चन की फिल्म शोले और दीवार का नाम लिया। जब फराह खान ने पूछा कि जय या वीरू में से कौन सा किरदार निभाना चाहेंगे? सलमान खान ने चुटकी लेते हुए कहा- मैं जय-वीरू और गब्बर का भी किरदार निभा सकता हूं। अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र की फिल्म 'शोले' साल 1975 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को रमेश सिप्पी ने डायरेक्ट की थी। यश चोपड़ा के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'दीवार' भी 1975 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन और शशि कपूर की लीड भूमिका थी। दोनों फिल्में सलीम-जावेद ने लिखी थी। वहीं, सलमान खान के वर्क फ्रंट की बात करें तो इन दिनों फिल्म 'सिकंदर' की शूटिंग में बिजी हैं। एआर मुरुगादॉस के डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म में सलमान खान और रश्मिका मंदाना की जोड़ी पहली बार नजर आएगी। इस फिल्म में सत्यराज और प्रतीक बब्बर भी अहम किरदार में हैं। यह फिल्म ईद 2025 पर बड़े पर्दे पर आएगी। इस फिल्म को साजिद नाडियाडवाला प्रोड्यूस कर रहे हैं।

प्रदर्शनी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। भारत भवन में रेपिडली रंग यात्रा आधारित रंग आयाम प्रदर्शनी में कई पुराने नाटकों के वाद्य यंत्र एवं पोस्टर देखकर कलाकारों के चेहरे पर खुशी दिखाई दी।

बड़े तालाब में मिले शव की हुई शिनाख्त

30 अगस्त से लापता था सॉफ्टवेयर इंजीनियर

भोपाल, दोपहर मेट्रो। कोहेफिजा थाना क्षेत्र स्थित वीआईपी रोड पर बड़े तालाब से शनिवार शाम पुलिस ने एक युवक का शव बरामद किया था। उसकी शिनाख्त टीला जमालपुरा निवासी साफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में की गई। पुलिस का कहना है कि उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। हालांकि यह जरूर पता चला है कि वह वर्कफ्रॉम होम पर था और आनलाइन गैम खेलने का शौकीन था। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

कोहेफिजा पुलिस ने बताया कि शनिवार शाम वीआईपी रोड से एक युवक की लाश बरामद की गई थी। उसके पास से ऐसा कोई भी दस्तावेज नहीं मिला, जिससे की उसकी शिनाख्त की जा सके। पुलिस ने शव मचूर्री में पीएम के लिए रखा दिया था। पुलिस ने लाश मिलने की सूचना और मृतक का हुलिया राजधानी समेत आसपास के जिलों के थानों में भेज दिया।

टीला जमालपुरा थाने पहुंचे परिजन

इधर 30 अगस्त से दीपक बमनेट पिता पुरूषोत्तम बमनेट (24) हनुमान मंदिर के पीछे कबीटपुरा, टीलाजमालपुरा घर से लापता हो गया था। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे, लेकिन वह नहीं मिला। रविवार सुबह परिजन उसकी गुमशुदगी दर्ज कराने टीलाजमालपुरा थाने पहुंचे। पुलिस ने परिजन से मृतक का हुलिया पूछा और बताया कि इस तरह हुलिए वाला एक शव कोहेफिजा पुलिस ने तालाब से बरामद किया है। परिजन को पुलिस मचूर्री लेकर पहुंची और शव दिखाया। पुलिस ने शव की पहचान दीपक बमनेट के रूप में कर ली। दीपक बमनेट सॉफ्टवेयर इंजीनियर था और एक कंपनी के लिए वर्क फ्रॉम होम रहकर काम कर रहा था। परिजन ने बताया कि उसे आनलाइन गैम खेलने की लत थी। पुलिस ने दीपक का मोबाइल जब्त किया है।

व्हीआईपी रोड पर मोपेड खड़ी कर युवक ने तालाब में लगाई छलांग, मौत

रात को कूदा था, दूसरे दिन में मिला शव

भोपाल। व्हीआईपी रोड स्थित राजाभोज की प्रतिमा के पास से शनिवार रात एक युवक ने बड़े तालाब में छलांग लगा दी। सूचना मिलते ही तलैया पुलिस मौके पर पहुंच गई। युवक ने अपनी मोपेड सडड़ पर खड़ी कर दी थी। पुलिस को मोपेड से उसका मोबाइल मिला और उसी के माध्यम से परिजनों से बात हो सकी। रविवार दोपहर पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शव बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब दो बजे पुलिस को राजाभोज की प्रतिमा के पास संदिग्ध हालत में मोपेड खड़ी होने की सूचना मिली थी। पुलिस को मोपेड से एक मोबाइल फोन मिला। मोबाइल ऑन करते ही परिजनों का फोन आ गया। पुलिस ने अंदेशा जताया कि मोपेड सवार तालाब में कूदा है। रविवार सुबह सर्चिंग की गई। दोपहर करीब एक बजे नगर निगम के गोताखोरों ने तालाब से शव बरामद किया। परिजनों ने मृतक की शिनाख्त तुषार कविश्वर पुत्र शरद कविश्वर (44) निवासी ऋषि परिसर करमवी नगर पिपलानी के रूप में की। परिजनों ने बताया कि तुषार प्राइवेट काम करते थे। उनकी पत्नी और 15 साल का एक बेटा है। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया था।

एडवांस पैमेंट लेने के बाद तीन दिन से नहीं आ रहा था होटल

वेटर को घर लेने पहुंचा संचालक, विवाद के बाद गले पर रेडियम कटर मारा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित लीलाधर कॉलोनी में रविवार शाम वेटर ने होटल संचालक पर रेडियम कटर से हमला कर दिया। कटर से गले के पास गहरा घांव लगने से होटलकर्मी को गंभीर चोट आई है। आरोपी ने लगातार दो वार किए थे। दूसरा वार हाथ से रोकने के कारण होटल मालिक को हाथ में चोट आई हैं। घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने होटल मालिक के छोटे भाई की शिकायत पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

एसआई शिव कुमार द्विवेदी ने बताया कि 38 साल के विशाल यादव करोंद इलाके में रहते हैं और रासलाखेड़ी रोड पर होटल का संचालन करते हैं। उनके बड़े भाई धर्मेंद्र यादव भी उनके साथ होटल का कारोबार देखते हैं। विशाल ने पुलिस को बताया कि उनकी होटल में गांव बेरखेड़ी, सलामतपुर, जिला विदिशा निवासी कमलेश कुशवाह काम करता है। कमलेश कुशवाह यहां लीलाधर कॉलोनी में अपने भाई और दो बहनों के साथ किराए के मकान में रहता है। दो तीन दिन से वह काम नहीं आ रहा था। रविवार शाम करीब साढ़े 7 बजे धर्मेंद्र उसे लेने के लिए उसके घर पहुंचे। धर्मेंद्र ने आवाज दी। कमलेश बाहर निकला। धर्मेंद्र ने कमलेश से कहा कि दो तीन दिन से कहां है और काम पर क्यों नहीं आ रहा है। इस पर कमलेश भड़क गया और धर्मेंद्र से गालीगलौज करने लगा। धर्मेंद्र ने उसे गाली देने से मना किया तो आरोपी घर से रेडियम कटर ले आया और बाहर खड़े धर्मेंद्र पर हमला कर दिया। आरोपी ने धर्मेंद्र के गले पर रेडियम कटर मारा था। गले पर कटर लगने से धर्मेंद्र को गंभीर चोट आई है।

दूसरा वार दाहिने हाथ पर लगा

आरोपी कमलेश ने गले पर हमला करने के बाद दूसरा वार भी गले पर किया था, लेकिन धर्मेंद्र ने वार हाथ से रोक लिया और उसे दाहिने हाथ पर कटर लगा है। धर्मेंद्र ने भाई विशाल को घटना की जानकारी दी। विशाल लीलाधर कॉलोनी पहुंचा और अपने भाई को लेकर भानपुर स्थित निजी अस्पताल ले गया था।

अस्पताल की पार्किंग में खड़ी कर्मचारी की बाइक चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हबीबगंज स्थित नर्मदा अस्पताल की पार्किंग से एक कर्मचारी की बाइक चोरी चली गई। इसी प्रकार शहर के विभिन्न इलाकों से चोर आधा दर्जन अन्य दोपहिया वाहन चोरी कर ले गए। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक अंकुश कुशवाहा (30) प्रियदर्शनी नगर टीटी नगर में रहते हैं। वह हबीबगंज स्थित नर्मदा अस्पताल के बिलिंग डिपार्टमेंट में काम करते हैं। सुबह करीब सवा दस बजे उन्होंने अपनी बाइक अस्पताल की पार्किंग में खड़ी की और काम पर चले गए थे। रात करीब साढ़े आठ बजे पार्किंग में बाइक उठाने पहुंचे तो वह गायब हो चुकी थी। तलाश करने पर भी जब बाइक का कुछ पता नहीं चला तो थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इसी प्रकार बागसेवनिया स्थित एम्स अस्पताल की पार्किंग से अजय कुमार कुशवाहा की बाइक चोरी चली गई। इधर, प्रगति नगर अशोका गार्डन से संजीव कुमार, ग्यारह मील मिसरोद स्थित ढाबे के सामने से गौतम मेहतो, हमीदिया रोड हनुमानगंज से फैजान अली शाह, राजहर्ष कालोनी कोलार रोड से वीरेंद्र चौधरी और गौरव नगर कोलार से ऋषभ किरार की बाइक चोरी चली गई। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

चोरी की बुलेट बाइक के साथ एक आरोपी गिरफ्तार, फरार आरोपी की तलाश जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। गांधी नगर पुलिस ने चोरी की बुलेट के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में फरार उसके साथी की तलाश की जा रही है। बरामद हुई बुलेट बाइक पिछले दिनों गांधी नगर इलाके से ही चोरी हुई थी, जिसकी रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस के मुताबिक बीती 28 अगस्त को कादिर खान ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि शहीद भगत सिंह कालोनी गांधी नगर से उनकी बुलेट रायल इनफील्ड क्लासिक बाइक चोरी हो गई है, जिसकी कीमत साढ़े तीन लाख रुपये है। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। इस बीच एक संदेही जितेंद्र लोधी पुत्र पर्वत सिंह लोधी (24) निवासी मालथोन जिला सागर को बुलेट के साथ हिरासत में लिया गया। पूछताछ करने पर जितेंद्र ने बताया कि उक्त बाइक उसने करोंद निवासी शाहिल बच्चा से खरीदी है। पुलिस ने चोरी की बाइक जब्त कर आरोपी जितेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। फरार चल रहे शाहिल की तलाश में टीम लगाई गई है। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ मारपीट, छेड़छाड़ और आईटी एक्ट की धाराओं में पहले से केस दर्ज हैं।

मासूम भांजी की हत्या करने वाला मामा गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित आम वाली मस्जिद के पास रविवार रात मामा ने तीन साल की मासूम भांजी की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। घटना का कारण आपसी विवाद बताया जा रहा है। नृशंस हत्याकांड को अंजाम देकर आरोपी फरार हो गया था। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी मामा को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक घोड़ा नक्कास निवासी अंबार खान प्राइवेट काम करते हैं। उनकी पत्नी अपनी तीन साल की बेटी रुहमेशा को लेकर आम वाली मस्जिद के पास अपने मायके आई हुई थीं। रविवार रात करीब साढ़े 10 बजे आपसी विवाद के चलते मामा फराज ने चाकू से भांजी रूहमेशा का गला रेत दिया। घटनास्थल पर ही बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। आसपास के लोगों का कहना है कि आरोपी फराज का मानसिक संतुलन पूरी तरह से ठीक नहीं है। वो मोबाइल पर वीडियो देखने का शौकीन हैं। कोई काम नहीं करता था। रविवार रात जब वो घर पहुंचा तो परिजनों ने उससे कहा कि कोई काम धाम क्यों नहीं करता। तब आरोपी फराज ने कहा कि तुम्हें क्या लगता है मैं कोई काम नहीं कर सकता। इतना कहकर उसने पास खड़ी तीन साल की मासूम भांजी का गला रेत दिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस का मेडिकल कराया जाएगा। ताकि पता लगाया जा सके कि वह मानसिक रूप से स्वस्थ्य है या नहीं। इसके बाद उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेजा जाएगा।

नव विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। अरेरा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित यादव मोहल्ला अहिरपुरा में रविवार शाम नव विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस का कहना हैड़कि आज पीएम के बाद परिजन पति और मायके पक्ष के बयान दर्ज किए जाएगे। मामला नव विवाहिता से जुड़ा होने के कारण मर्ग डायरी एसीपी को सौंपी गई है। आगे की जांच एसीपी द्वारा की जाएगी। पुलिस के अनुसार मुस्कान साहू पिता कुनाल अहिरे (23) यादव मोहल्ला अहिरपुरा, अरेरा हिल्स में रहती थी। उसने प्रेम प्रसंग के बाद कुनाल से शादी की थी।

मेट्रो एंकर सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका

कैब संचालक की पत्नी ने लगाई फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो। निशातपुरा में कैब चालक की पत्नी ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। सोमवार को पीएम के बाद मायके पक्ष के बयान होंगे।

पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार काकड़ा अलंकार कालोनी निवासी 25 साल की खुशी अली गृहणी थी। उसका पति सुल्तान कैब ड्राइवर है। शनिवार सुबह वह कैब लेकर चला गया। रात करीब 10 बजे पहुंचा तो अंदर से दरवाजा बंद मिला। पत्नी को आवाज दी, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। दरवाजा खोलकर वह अंदर पहुंचा तो खुशी फांसी के फंदे पर लटकी हुई थी। तुरंत ही उसने पुलिस को सूचना दी। मूलतः सागर निवासी खुशी ने छह साल पहले सुल्तान से शादी की थी। खुशी के परिजन रविवार को नहीं आ सके। उनके भोपाल पहुंचने पर शव का पीएम कराया जाएगा। इधर गौतम नगर पुलिस ने बताया कि प्रेम नगर निवासी कमल अहिरवार (21) एमवीएम कॉलेज में बीएससी द्वितीय वर्ष का छात्र था। पिता सेंटिंग ठेकेदार हैं। शनिवार शाम करीब छह बजे कमल ने अपने तीन मंजिला मकान के तीसरे लोर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। तीसरे लोर पर उसका स्टॅडी रूम है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस का कहना है कि मोहल्ले में हुए झगड़े और धमकी देने के मामले की जांच की जा रही है। दोषी पाए जाने पर प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

किसान ने जहरीला पदार्थ पीकर दी जान

भोपाल। गुनगा थाना क्षेत्र स्थित गांव जूनापानी में एक किसान ने जहरीला पदार्थ पी लिया। भाई उसे लेकर निजी अस्पताल पहुंचा, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस को पता चला कि वह शराब पीने का आदी था। पुलिस के अनुसार प्रदीप मीणा पिता भैरोसिंह मीणा (38) गांव जूनापानी, कस्बा गुनगा में रहता था। उसके परिवार में चार भाई है। दो भाइयों की शादी हो चुकी है, जबकि दो प्रदीप समेत एक अन्य भाई अविवाहित है। प्रदीप के भाई कैलाश पुलिस को बताया कि चारों भाइयों के पास ढाई एकड़ कृषि योग्य भूमि है। उसमें खेती किसानी करते हैं और साथ ही प्राइवेट काम भी करते हैं। प्रदीप रविवार सुबह घर पर था। अचानक वह बेसुध हो गया और उसके मुंह से फेस निकलने लगा। वे तत्काल उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां दोपहर करीब पौने दो के आसपास डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022